कार्तिक शुक्ल - 13 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 12 ▪ अंक - 109 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » गुरुवार » 14-11-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 टमाटर, आलू, प्याज के दामों को लेकर कांग्रेस का प्रधानमंत्री पर निशाना

6 अलग प्रदेशों की मांग से क्या पाकिस्तान के टुकड़े होंगे?

7 'कंगुवा' दर्शकों के लिए खुशी लेकर आएगी : सूर्या

फर्स्ट टेक

अदाणी समूह अमेरिका में 10 अरब डॉलर का निवेश करेगा : गौतम अदाणी

नई दिल्ली/भाषा। जाने-माने उद्योगपति गौतम अदाणी ने बुधवार को अमेरिका में ऊर्जा और बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में 10 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता जतायी। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति को बधाई देते हुए लिखा, ''डोनाल्ड ट्रंप को बधाई...जैसे-जैसे भारत और अमेरिका के बीच साझेदारी प्रगाढ़ होती जा रही है, अदाणी समूह अपनी वैश्विक विशेषज्ञता का लाभ उठाने और अमेरिकी ऊर्जा सुरक्षा और मजबूत बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में 10 अरब डॉलर का निवेश करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा लक्ष्य इसके जरिये 15,000 नौकरियां सृजित करने का है।'' हालांकि, उन्होंने अमेरिका में शुरू की जाने वाली परियोजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी।

तेलंगाना के पेद्दापल्ली में मालगाड़ी पटरी से उतरी; 39 ट्रेन रद्द, 61 का मार्ग बदला

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के पेद्दापल्ली जिले में एक मालगाड़ी के पटरी से उतर जाने के कारण 39 यात्री रेलगाड़ियों का परिचालन रद्द करना पड़ा। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) के अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। एससीआर के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ए. श्रीधर ने बताया कि मंगलवार देर रात लौह अयस्क और लोहे की छड़े ले जा रही मालगाड़ी के 12 डिब्बे राघवपुरम और रामागुंडम के बीच पटरी से उतर गए। उन्होंने बताया कि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। अधिकारी ने बताया कि ट्रेन कर्नाटक के बेल्लारी से गाजियाबाद की ओर जा रही थी। तीन लाइन वाले इस अनुभाग में पटरियों के क्षतिग्रस्त होने से सभी लाइन बाधित हो गईं। उन्होंने कहा कि मरम्मत कार्य किया जा रहा है और घटनास्थल पर बड़ी क्रेन तैनात करने के लिए एक अस्थायी संपर्क मार्ग भी बनाया जा रहा है।

पाकिस्तान में 5.3 तीव्रता का भूकंप आया

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान में राजधानी इस्लामाबाद सहित देश के कई हिस्सों में बुधवार को 5.3 तीव्रता का भूकंप का झटका आया। देश के मौसम विभाग ने यह जानकारी देते हुए बताया कि भूकंप के कारण जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। 'यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे' (यूएसजीएस) के अनुसार, भूकंप की तीव्रता 5.1 थी। पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग (पीएमडी) ने इसकी तीव्रता 5.3 बताई। इस्लामाबाद में 'राष्ट्रीय भूकंपीय निगरानी केंद्र' के अनुसार, ''भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान में हिंदुकुश पर्वत शृंखला में 220 किलोमीटर गहराई में था।'' यूएसजीएस और पीएमडी दोनों ने पुष्टि की कि भूकंप सुबह (पाकिस्तानी समय के अनुसार) दस बजकर 13 मिनट पर आया।

अमेरिकी कर्मी पर इजराइल के गोपनीय दस्तावेज लीक करने का आरोप

वाशिंगटन/एपी। अमेरिकी अदालत में दाखिल वाद के मुताबिक संघीय सरकार के लिए काम करने वाले एक व्यक्ति पर ईरान पर हमला करने की इजराइल की पहले की योजनाओं का आकलन करने वाली गोपनीय जानकारी लीक करने का आरोप लगाया गया है। कर्मचारी की पहचान आसिफ विलियम रहमान के तौर पर की गई है और संघीय जांच एजेंसी (एफबीआई)ने उसे इस सप्ताह कंबोडिया में गिरफ्तार किया था। उसे गुआम में पहली बार अदालत में पेश किया जाना है। तत्काल यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि रहमान ने मुकदमा लड़ने के लिए कोई वकील रखा है या नहीं और वह किस संघीय एजेंसी में काम करता था।

14-11-2024	15-11-2024
सूर्यास्त 5:39 बजे	सूर्योदय 6:07 बजे
BSE 77,690.95 (-984.23)	NSE 23,559.05 (-324.40)
सोना 8,110 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 102,000 रु. प्रति किलो

उच्चतम न्यायालय ने बुलडोजर पर लगाया ब्रेक

संपत्तियों को ढहाने पर दिशानिर्देश जारी किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- पीठ ने कई निर्देश जारी करते हुए कहा कि उसके निर्देश उन मामलों में लागू नहीं होंगे जहां सड़क, गली, फुटपाथ, रेल पटरी या किसी नदी या जलाशय जैसे किसी सार्वजनिक स्थल पर कोई अनधिकृत संरचना है तथा उन मामलों में भी लागू नहीं होंगे जहां न्यायालय ने ध्वस्तीकरण का आदेश दिया है।
- कारण बताओ नोटिस दिए बिना किसी भी संपत्ति को ध्वस्त नहीं किया जाए तथा प्रभावितों को जवाब देने के लिए 15 दिन का वक्त दिया जाना चाहिए।

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने हाल में चलन में आए 'बुलडोजर न्याय' की तुलना अराजकता की स्थिति से की और देशभर के लिए दिशानिर्देश जारी करते हुए कहा कि कारण बताओ नोटिस दिए बिना किसी भी संपत्ति को ध्वस्त नहीं किया जाए तथा प्रभावितों को जवाब देने के लिए 15 दिन का वक्त दिया जाना चाहिए।

न्यायालय ने कहा कि प्राधिकारी उचित प्रक्रिया का पालन किए बिना नागरिकों की संपत्ति को ध्वस्त करके उन्हें दंडित नहीं कर सकते। न्यायालय ने ऐसी ज्यादतियों को ''मनमाना'' करार दिया और कहा कि इससे सख्ती से निपटे जाने की जरूरत है।

न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने एक इमारत को बुलडोजर से ध्वस्त करने और महिलाओं, बच्चों तथा वृद्ध व्यक्तियों को रातों-रात बेघर कर देने के दृश्य को ''भयावह'' करार दिया।

पीठ ने अपने 95 पृष्ठ के फैसले में कहा, ''यदि प्राधिकारी न्यायाधीश की तरह काम करते हैं और किसी नागरिक पर इस आधार पर मकान ढहाने का दंड लगाते है कि वह एक आरोपी है तो यह 'शक्तियों के पृथक्करण' के सिद्धांत का उल्लंघन है।

इसमें कहा गया है,''जब प्राधिकारी नैसर्गिक न्याय के मूल सिद्धांतों का पालन करने में विफल रहते हैं और वाजिब प्रक्रिया के सिद्धांत का पालन किए बिना काम करते हैं, तो बुलडोजर द्वारा इमारत को ध्वस्त करने का भयावह दृश्य एक अराजक स्थिति की याद दिलाता है, जहां 'ताकतवर ही जीतेगा'।''

पीठ ने कहा कि इस तरह की मनमानी कार्रवाइयों के लिए संविधान में कोई जगह नहीं है, जो कानून के शासन की बुनियाद पर टिका हुआ है।

पीठ ने कई निर्देश जारी करते हुए कहा कि उसके निर्देश उन मामलों में लागू नहीं होंगे जहां सड़क, गली, फुटपाथ, रेल पटरी या किसी नदी या जलाशय जैसे किसी सार्वजनिक स्थल पर कोई अनधिकृत संरचना है तथा उन मामलों में भी लागू नहीं होंगे जहां न्यायालय ने ध्वस्तीकरण का आदेश दिया है।

पीठ ने कहा,'' कारण बताओ नोटिस जारी किए बिना (संपत्ति) ढहाने की कोई भी कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए। इस नोटिस का जवाब स्थानीय नगर निकाय कानून के अनुरूप निर्धारित अवधि में देना होगा या फिर नोटिस तामील होने के 15 दिन के भीतर देना होगा।''

शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि संवैधानिक लोकाचार और मूल्य शक्ति के इस तरह के दुरुपयोग की अनुमति नहीं देते और इस तरह के दुस्साहस को अदालत द्वारा बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

पीठ ने कहा, ''प्राधिकारी न्यायाधीश बनकर यह निर्णय नहीं ले सकते कि आरोपी व्यक्ति दोषी है और इसलिए उसकी आवासीय/व्यावसायिक संपत्ति/संपत्तियों को ध्वस्त करके उसे दंडित किया जाए। अधिकारी का ऐसा कृत्य उसकी सीमाओं का उल्लंघन होगा।''

अनुकंपा नियुक्ति निहित अधिकार नहीं : उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को एक व्यक्ति की याचिका खारिज करते हुए कहा कि अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति सरकारी नौकरी पाने का कोई निहित अधिकार नहीं है, क्योंकि यह सेवा के दौरान मरने वाले कर्मचारी की सेवा की शर्त नहीं है। न्यायालय ने उस व्यक्ति की याचिका खारिज कर दी, जिसके पुलिस कांस्टेबल पिता की 1997 में ड्यूटी के दौरान मृत्यु हो गई थी, जब याचिकाकर्ता की आयु सात वर्ष थी। न्यायमूर्ति अभय एस. ओका, न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि राज्य को किसी व्यक्ति या व्यक्तियों के समूह के पक्ष में संबंधित नीति के विपरीत कोई अवैधता जारी रखने के लिए कहने वाला कोई निर्देश जारी नहीं किया जा सकता है। पीठ के लिए फैसला लिखते हुए न्यायमूर्ति मसीह ने कहा कि अनुकंपा के आधार पर नियुक्तियां परिवार के सदस्य की मृत्यु के समय उत्पन्न तात्कालिक वित्तीय संकट को दूर करने के लिए की जाती हैं तथा यह कोई निहित अधिकार नहीं है,

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने किया दावा

सरकार गिराने के लिए कांग्रेस के विधायकों को धन की पेशकश की गई

कांग्रेस के 50 विधायकों को 50-50 करोड़ रुपए की पेशकश का किया दावा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- पेशकश स्वीकार नहीं करने की वजह से भाजपा अब कांग्रेस के विधायको के खिलाफ झूठे मामले दर्ज करा रही है : मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या

मैसूरू। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बुधवार को दावा किया कि विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उनकी सरकार को गिराने के लिए कांग्रेस के 50 विधायकों को 50-50 करोड़ रुपये की पेशकश की थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के किसी विधायक ने यह पेशकश स्वीकार नहीं की जिसकी वजह से भाजपा अब उनके खिलाफ झूठे मामले दर्ज करा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''सिद्दरामय्या सरकार को किसी तरह से उखाड़ फेंकने के लिए उन्होंने (भाजपा ने) 50 विधायकों को 50-50 करोड़ रुपये की पेशकश की। उनके पास इतना पैसा

कहां से आया? क्या पूर्व मुख्यमंत्रियों बी. एस. येडीयुरप्पा, बसवराज बोम्मई, विपक्ष के नेता आर अशोक, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने नोट छापे?'' उन्होंने यह आरोप मैसूरु जिले के टी नरसीपुरा विधानसभा क्षेत्र में 470 करोड़ रुपये के परियोजनाओं का उद्घाटन करने के बाद लगाए। सिद्दरामय्या ने कहा कि यह सब रिश्वत का 'पैसा' था। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, ''उन्होंने करोड़ों रुपये कमाए हैं। इस पैसे का इस्तेमाल करते हुए उन्होंने प्रत्येक विधायक को 50 करोड़ रुपये की पेशकश की।'' सिद्दरामय्या ने कहा, लेकिन इस पेशकश को हमारे किसी भी विधायक ने स्वीकार नहीं किया। इसलिए उन्होंने किसी भी तरह इस सरकार को हटाने के लिए अभियान शुरू कर दिया है। इसीलिए वे ऐसा (झूठे मामले दर्ज कराना) कर रहे हैं।

झारखंड में रोटी-बेटी-माटी की सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा, भाजपा इससे खिलवाड़ नहीं होने देगी : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देवघर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को झारखंड विधानसभा के चुनाव में रोटी, बेटी और माटी की सुरक्षा को 'सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण' मुद्दा करार दिया और लोगों को विश्वास दिलाया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार इनकी सुरक्षा से कोई खिलवाड़ नहीं होने देगी।

देवघर जिले के सारठ में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मोदी ने आरोप लगाया कि आज झारखंड की पहचान बदलने की

बहुत बड़ी साजिश हो रही है और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) तथा कांग्रेस सरकार में बाहर से आए घुसपैठियों को यहां का स्थायी निवासी बनाने के लिए हर गलत काम किया गया। उन्होंने कहा, ''इन घुसपैठियों के लिए रातों-रात पक्के कागज बनाए गए। आदिवासी बेटियों को शादी के नाम पर ठगा गया और उनकी जमीन हथिया ली गई। इन घुसपैठियों ने आपसे आपका रोजगार छीन लिया और आपकी रोटी भी छीन ली। लेकिन यहां की सरकार का रवैया देखिए। झामुमो सरकार ने अदालत में कह दिया कि झारखंड में कोई घुसपैठ हुई ही नहीं है।''

प्रधानमंत्री ने झारखंड में अपने चुनावी अभियान का जिक्र करते हुए कहा कि इस दौरान वह जहां भी गए, हर जगह 'विदेशियों की घुसपैठ' को लेकर सबसे बड़ी चिंता रही है। उन्होंने कहा, ''झारखंडी गौरव और झारखंड की पहचान, आप सबकी ताकत रही है। अगर ये पहचान ही खत्म हो गई तो क्या होगा? आंकड़े बताते हैं कि संथाल क्षेत्र में आदिवासियों की संख्या करीब-करीब आधी रह गई है।''

हवाई अड्डों, मेट्रो और वीआईपी को सुरक्षा मुहैया कराएगी सीआईएसएफ की महिला बटालियन

सीआईएसएफ की पहली पूर्ण महिला बटालियन के गठन को मिली मंजूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की जल्द ही गठित होने वाली महिला बटालियन हवाई अड्डों और मेट्रो रेल जैसी देश की महत्वपूर्ण अवसंरचना की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालेगी और कमांडो के रूप में अतिविशिष्ट व्यक्तियों (वीआईपी) को सुरक्षा प्रदान करेगी।

केंद्र सरकार ने अति विशिष्ट व्यक्तियों, हवाई अड्डों और अन्य महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों पर बल की बढ़ती तैनाती को ध्यान में रखते हुए सीआईएसएफ में 1,000 से

अधिक कर्मियों वाली पहली पूर्ण महिला बटालियन को सोमवार को मंजूरी दी थी।

शाह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''राष्ट्र निर्माण के हर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के मोदी जी के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में एक मजबूत कदम उठाते हुए मोदी सरकार ने सीआईएसएफ की पहली पूर्ण महिला बटालियन के गठन को मंजूरी दे दी है।'' उन्होंने कहा, ''एक विशिष्ट सैन्य टुकड़ी के रूप में गठित की जाने वाली महिला बटालियन देश के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचों, जैसे हवाई अड्डों और मेट्रो रेल की सुरक्षा करने तथा कमांडो के रूप में वीआईपी को सुरक्षा प्रदान करने की जिम्मेदारी संभालेगी।''

गृह मंत्री ने कहा कि यह निर्णय निश्चित रूप से देश की रक्षा के महत्वपूर्ण कार्य में अधिक महिलाओं की भागीदारी की आकांक्षाओं को पूरा करेगा।

सीआईएसएफ में सात प्रतिशत से अधिक महिला कर्मी हैं। बल की कर्मियों की वर्तमान संख्या लगभग 1.80 लाख है।

भारत में केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में से एक, सीआईएसएफ की स्थापना 1969 में की गई थी।

जॉन रैटक्लिफ को ट्रंप ने सीआईए प्रमुख चुना

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को घोषणा की कि राष्ट्रीय खुफिया निदेशक जॉन रैटक्लिफ उनके प्रशासन में केंद्रीय खुफिया एजेंसी (सीआईए) का नेतृत्व करेंगे। साथ ही उन्होंने अरकंसास के पूर्व गवर्नर माइक हकाबी को इजराइल में अपना राजदूत चुना है। अहम पदों पर लगातार की जा रही घोषणाओं के तहत ट्रंप ने कांग्रेस सदस्य माइक वाल्ट्ज को अपना राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बनाने का भी फैसला किया और कहा कि वह चीन, रूस, ईरान तथा वैश्विक आतंकवाद के कारण उत्पन्न हुए खतरों पर विशेषज्ञ हैं।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा

पश्चिम एशिया में स्थिति गंभीर चिंता का विषय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को कहा कि भारत गाजा में शीघ्र युद्ध विराम किये जाने का समर्थन करता है और वह द्विराष्ट्र समाधान के माध्यम से फलस्तीन मुद्दे का हल किये जाने के पक्ष में है।

जयशंकर ने सऊदी विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान अल सऊद के साथ बैठक के दौरान अपनी शुरुआती टिप्पणी में कहा कि पश्चिम एशिया में स्थिति, खासकर गाजा में संघर्ष ''गंभीर चिंता''का

विषय है। जयशंकर ने सऊदी अरब को क्षेत्र में स्थिरता के लिए एक महत्वपूर्ण ताकत बताया।

जयशंकर और अल सऊद ने रणनीतिक साझेदारी परिषद (एसपीसी) के तहत आयोजित राजनीतिक, सुरक्षा, सामाजिक और सांस्कृतिक सहयोग (पीएसएससी) समिति की दूसरी बैठक की सह-अध्यक्षता की।

जयशंकर ने कहा कि सऊदी अरब का 'विजन 2030' और भारत का विकसित भारत 2047 दोनों देशों के उद्योगों के लिए नई साझेदारी बनाने के लिए पूरक हैं। उन्होंने कहा, ''व्यापार और निवेश हमारी साझेदारी के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं और हम प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन सहित नवीकरणीय ऊर्जा, कनेक्टिविटी, स्वास्थ्य और शिक्षा सहित नए क्षेत्रों में अपने सहयोग को मजबूत कर रहे हैं।''

अल सऊद भारत की दो दिवसीय यात्रा पर हैं।

गाजा में स्थिति पर जयशंकर ने कहा कि किसी भी जवाबी कार्रवाई में अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून को ध्यान में रखना चाहिए। उन्होंने कहा, ''पश्चिम एशिया में स्थिति, विशेष रूप से गाजा में संघर्ष, गंभीर चिंता का विषय है। इस संबंध में भारत का रुख सैद्धांतिक और एक समान रहा है।''

झारखंड विधानसभा चुनाव में 43 सीट पर 66.18 प्रतिशत से अधिक मतदान दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 43 सीट के लिए बुधवार को 1.37 करोड़ मतदाताओं में से 66.18 प्रतिशत से अधिक लोगों ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 15,334 मतदान केन्द्रों में से लगभग आधे मतदान केन्द्रों के संवेदनशील श्रेणी में होने के बावजूद नक्सली हिंसा की कोई खबर नहीं आई, सिवाय एक दो घटनाओं के जिनमें माओवादियों ने पश्चिमी सिंहभूम जिले में मतदाताओं को

मतदान केन्द्रों तक पहुंचने से रोकने की कोशिश की। लेकिन पुलिस और प्रशासन ने इन प्रयासों को विफल कर दिया।

एक निर्वाचन अधिकारी ने बताया, ''रात नौ बजकर 50 मिनट तक के आंकड़ों के अनुसार लगभग 66.18 प्रतिशत मतदान हुआ, जिसमें लोहरदगा जिला 73.21 प्रतिशत मतदान के साथ शीर्ष पर रहा, जबकि हजारीबाग जिले में सबसे कम 62.78 प्रतिशत मतदान हुआ।'' उन्होंने बताया कि मतदान शाम पांच बजे तक जारी रहा।

कर्नाटक में तीन विस सीटों पर उपचुनाव में करीब 81.84 प्रतिशत मतदान

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक में तीन विधानसभा सीट पर बुधवार को हुए उपचुनाव में करीब 81.84 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। निर्वाचन अधिकारियों ने यह जानकारी दी। शिग्गांव, सेंडुर और चन्नापटना निर्वाचन क्षेत्रों में करीब 770 मतदान केंद्रों पर सात लाख से अधिक मतदाता हैं जबकि इन सीट पर कुल 45 उम्मीदवार हैं।

सोनिया जी, आपका 'राहुल विमान' एक बार फिर 'क्रैश' हो जाएगा : अमित शाह

परभणी/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि राहुल बाबा नाम का विमान पहले ही 20 बार 'क्रैश' हो चुका है और 20 नवंबर को होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में इसका एक बार फिर 'क्रैश' होना तय है।

महाराष्ट्र के परभणी जिले के जिंतूर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कहा, सोनिया जी ने राहुल बाबा नाम के विमान को 20 बार

उतारने की कोशिश की, लेकिन बीसों बार विमान 'क्रैश' हो गया। अब फिर से विमान को 21वीं बार महाराष्ट्र में उतारने की कोशिश की जा रही है। सोनिया जी, आपका राहुल विमान 21वीं बार भी 'क्रैश' होने जा रहा है।

गृह मंत्री ने कांग्रेस पर अयोध्या में जानबूझकर वर्षों तक राम मंदिर के निर्माण में बाधा डालने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राम मंदिर का निर्माण कराया और काशी विश्वनाथ कॉरिडोर भी बनवाया, जिसे औरंगजेब ने ध्वस्त कर दिया था। अब आपको गुजरात जाने के लिए तैयार रहना चाहिए, क्योंकि सोमनाथ मंदिर भी सोने से बनाया जा रहा है।

राहुल गांधी की 'चौथी पीढ़ी' भी एसटी, एससी, ओबीसी का आरक्षण काटकर मुसलमानों को नहीं दे सकती : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धुले/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को यह याद रखना चाहिए कि अगर उनकी 'चौथी पीढ़ी' भी आ जाए तो वह भी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) का आरक्षण काटकर मुसलमानों को नहीं दे सकतीं।

शाह ने 20 नवंबर को होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए एक रैली को संबोधित करते हुए कहा, ''कुछ दिन पहले उमेला समूह के लोग महाराष्ट्र में कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष से मिले और कहा कि मुसलमानों को आरक्षण देना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''अगर मुसलमानों को आरक्षण देना है तो एससी, एसटी और ओबीसी का आरक्षण काट कर देना पड़ेगा। अरे राहुल बाबा (राहुल गांधी), आप तो क्या आपकी चार पीढ़ियां भी एससी, एसटी और ओबीसी का आरक्षण काटकर मुसलमानों को नहीं दे सकतीं।'' शाह ने यह भी कहा कि अनुच्छेद 370 को कभी बहाल नहीं किया जाएगा, चाहे कुछ भी हो जाए। उन्होंने कहा, ''अगर इंदिरा गांधी स्वर्ग से वापस आ भी जाती हैं तो भी अनुच्छेद 370 को

बहाल नहीं किया जाएगा।''

महाराष्ट्र में विपक्षी महा विकास आघाडी (एमवीए) को 'औरंगजेब फैन क्लब' करार देते हुए शाह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी नीत महायुति गठबंधन शिवाजी महाराज और वीर सावरकर के आदर्शों पर चलता है। उन्होंने कहा, ''ये आघाडी केवल तुष्टिकरण करना चाहती है और उद्धव ठाकरे सत्ता के लिए बाला साहब ठाकरे जी के सिद्धांत को भूल कर बैठे हैं। उद्धव बाबू, आप उन लोगों के साथ बैठे हो जिन्होंने... औरंगाबाद का नाम संभाजी नगर करने का विरोध किया, राम मंदिर निर्माण का विरोध किया, तीन तलाक हटाने का विरोध किया, अनुच्छेद-370 हटाने का विरोध किया, सर्जिकल स्ट्राइक का विरोध किया। आप हिंदुओं को आतंकवादी कहने वालों के साथ बैठे हो।'' शाह ने कहा कि महायुति का मतलब विकास और एमवीए का मतलब विनाश है और जनता को तय करना है कि वे विकास करने वालों को सत्ता में लाना चाहते हैं या विनाश करने वालों को।

मोदी सरकार के 10 साल के कार्यकाल में मध्यम वर्ग पर कर का बोझ घटा

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के 10 साल के कार्यकाल के दौरान मध्यम वर्ग यानी 20 लाख रुपये सालाना से कम आय वाले व्यक्तियों पर कर का बोझ घटा है। वहीं दूसरी तरफ 50 लाख रुपये से ऊपर की सालाना आय वाले लोगों द्वारा भुगतान किए जाने वाले करों में अच्छी-खासी वृद्धि हुई है। सूत्रों ने बुधवार को यह कहा।

दाखिल किये गये आयकर रिटर्न (आईटीआर) के आंकड़ों के अनुसार, 50 लाख रुपये से अधिक की वार्षिक आय दिखाने वाले व्यक्तियों की संख्या 2023-24 में बढ़कर 9.39 लाख से अधिक हो गयी जो 2013-14 में 1.85 लाख थी। साथ ही, 50 लाख रुपये से अधिक कमाने वालों की आयकर देनदारी 3.2 गुना बढ़कर 2024 में 9.62 लाख करोड़ रुपये हो गई है, जो 2014 में 2.52 लाख करोड़ रुपये थी। सूत्र ने कहा कि आयकर का 76 प्रतिशत हिस्सा सालाना 50 लाख रुपये से अधिक कमाने वालों से आता है। कुल मिलाकर इससे मध्यम वर्ग पर कर का बोझ कम हुआ है। आयकर रिटर्न दाखिल करने वाले 50 लाख रुपये से अधिक की वार्षिक आय वाले व्यक्तियों की संख्या बढ़ी है। इसका कारण 'मोदी सरकार की कर चोरी रोकने और काले धन पर लगाम लगाने के लिए संबंधित अधिनियमों को कड़ाई से लागू करना है।' सूत्र ने कहा कि 2014 में, दो लाख रुपये सालाना से अधिक कमाने वाले व्यक्तियों को आयकर देना पड़ता था। हालांकि, मोदी सरकार में घोषित विभिन्न छूटों और कटौतियों के कारण अब सात लाख रु. तक की आय वाले व्यक्तियों को कोई कर नहीं देना पड़ता है।

माय-भारत प्लेटफार्म युवाओं की आशा, आकांक्षा और राष्ट्र निर्माण में योगदान का माध्यम : मांडविया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। केंद्रीय खेल एवं युवा मामलों के मंत्री मनसुख मांडविया ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार करने में युवाओं की भूमिका पर जोर देते हुए बुधवार को कहा कि माय-भारत प्लेटफार्म युवाओं की आशा, आकांक्षा और राष्ट्र निर्माण में योगदान का माध्यम है। मांडविया ने छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में 'माटी के वीर पदयात्रा' समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही।

यह कार्यक्रम 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के मद्देनजर जनजातीय गौरव दिवस के तहत आयोजित किया गया था।

मांडविया ने कहा, ''15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जन्म जयंती के उपलक्ष्य में 150 महाविद्यालयों के माय-भारत स्वयंसेवकों द्वारा यह पदयात्रा कार्यक्रम आयोजित किया गया है। यह कार्यक्रम पूरी तरह से युवाओं द्वारा आयोजित किया गया है।'' उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से युवाओं को राष्ट्र निर्माण में जोड़ने के उद्देश्य से माय-भारत प्लेटफार्म की शुरुआत की गयी थी। अब तक इस प्लेटफार्म पर लगभग 1.50 करोड़ युवाओं द्वारा पंजीकरण कराया गया है।''

मांडविया ने कहा, ''माय-भारत सिंगल विंडो सिस्टम बनेगा, जहां युवा अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए इस प्लेटफार्म के माध्यम से विकसित भारत के निर्माण में अपना योगदान दे सकेंगे।'' उन्होंने कहा, ''युवाओं को जिस भी क्षेत्र में रुचि हो उसमें सर्वश्रेष्ठ करना है, चाहे वह खेल हो या कला-संस्कृति। युवाओं को देश के लिए जीना है, देश के निर्माण में भागीदार बनना है। विकसित भारत के सपने को साकार करने में अपना सहयोग करना है।''

केंद्रीय मंत्री ने कोविड-19 महामारी के दौरान युवाओं के योगदान को याद करते हुए कहा कि युवाओं ने अपने जीवन की चिंता किए बिना जरूरतमंदों को भोजन, दवा, मास्क पहुंचाया और टीकाकरण में अविस्मरणीय योगदान दिया है। सेवा करना ही हमारा संस्कार है। राष्ट्र के प्रति अपना कर्तव्य का निर्वहन करना है।

महाराष्ट्र-गोवा सीमा जांच चौकी पर उद्धव ठाकरे का काफिला रोका गया

मुंबई/भाषा। शिवसेना (उबाठा) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे के काफिले को बुधवार को सिंधुदुर्ग जिले में महाराष्ट्र-गोवा सीमा पर एक जांच चौकी पर रोक दिया गया। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब कुछ दिन पहले ही महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ठाकरे के 'बैग' की यवतमाल जिले में एक चुनावी रैली से पहले चुनाव अधिकारियों द्वारा जांच की गई थी। इस घटना के बाद ठाकरे ने कुछ चुनिंदा लोगों को निशाना बनाये जाने का आरोप लगाया था। बुधवार को ठाकरे और उनके बेटे तेजस तटीय कोंकण क्षेत्र में चुनाव प्रचार के लिए गए थे।

तस्वीरों में दिख रहा है कि गोवा से महाराष्ट्र में प्रवेश करते समय ठाकरे के काफिले को इंशुली जांच चौकी पर रोक दिया गया, जिससे वह नाराज हो गये। जांच कर्मियों को जब पता चला कि ठाकरे एक कार में सवार हैं तो उन्होंने काफिले को आगे बढ़ने की अनुमति दे दी। इसके बाद ठाकरे एक चुनावी रैली को संबोधित करने के लिए सिंधुदुर्ग जिले के सावंतवाड़ी की ओर रवाना हुए। इस सप्ताह की शुरुआत में ठाकरे के 'बैग' की तलाशी चुनाव अधिकारियों ने उस समय ली थी, जब उनका हेलीकॉप्टर पूर्वी महाराष्ट्र के यवतमाल जिले में एक रैली के लिए हेलीपैड पर उतरा था। ठाकरे ने 'बैग' की तलाशी का वीडियो रिकॉर्ड किया था और चुनाव प्रचार के दौरान अधिकारियों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के सामान की जांच करने की चुनौती दी थी।

एनडीटीवी से कम ब्याज पर कर्ज भुगतान में आईसीआईसीआई बैंक अधिकारियों की मिलीभगत नहीं : सीबीआई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। समाचार चैनल एनडीटीवी के प्रवर्तकों- प्रणय रॉय और राधिका रॉय से कम ब्याज दर पर कर्ज की अदायगी स्वीकार करने में आईसीआईसीआई बैंक के अधिकारी किसी मिलीभगत, आपराधिक साजिश या पद के दुरुपयोग में शामिल नहीं थे। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने 2017 के इस मामले में अपनी बंदी रिपोर्ट में यह बात कही है। क्वॉन्टम सिक्योरिटीज लिमिटेड के संजय दत्त की शिकायत के आधार पर दर्ज सीबीआई की प्राथमिकी में आरोप लगाया गया था कि आईसीआईसीआई बैंक ने 2008 में प्रवर्तकों की पूरी 61 प्रतिशत हिस्सेदारी को गिरवी रखकर 375 करोड़ रुपये का ऋण मंजूर किया था।

शिकायत में कहा गया था कि बैंक ने कथित तौर पर ब्याज दर को 19 प्रतिशत प्रति वर्ष से घटाकर 9.5 प्रतिशत करके ऋण की अदायगी स्वीकार कर ली थी, जिससे बैंक को 48 करोड़ रुपये का

नुकसान हुआ और प्रवर्तकों को इसी अनुपात में फायदा हुआ। मामले से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि करीब सात साल की जांच के बाद जांच एजेंसी इस निष्कर्ष पर पहुंची है कि पांच अगस्त, 2009 को स्वीकृत ब्याज दर को 19 प्रतिशत से घटाकर 9.65 प्रतिशत करने का निर्णय कर्जदारों की भुगतान करने में असमर्थता, एनडीटीवी का कमजोर वित्तीय प्रदर्शन, अतीत में समय पर भुगतान, शेयर की अस्थिर कीमत जैसे विभिन्न कारकों पर आधारित था। उन्होंने कहा कि सीबीआई ने पिछले महीने अपनी बंदी रिपोर्ट दाखिल की थी, जिसमें कहा गया था कि एनडीटीवी के लिए ब्याज दर में कमी कोई 'एक बार की घटना' नहीं थी। कम ब्याज पर ऋण का पुनर्भुगतान 'औसत कोष की लागत से अधिक' था।

आईसीजी ने दमन तट पर फंसे पांच मछुआरों को बचाया, उनकी नाव में पानी भर गया था

दमन/भाषा। भारतीय तटरक्षक (आईसीजी) ने अरब सागर में दमन तट के पास डूब रही मछली पकड़ने वाली एक नौका से पांच लोगों को बचा लिया। बुधवार को यह जानकारी दी गई। मछुआरों की नौका में पानी भर गया था। एजेंसी ने बताया कि बचाव अभियान मंगलवार शाम को चलाया गया।

आईसीजी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि एक नौका पर सवार पांच मछुआरों को निकाल कर हवाई मार्ग से दमन जिले के बोर्डी समुद्र तट पर सुरक्षित उतारा गया तथा उन्हें आवश्यक सहायता और प्राथमिक उपचार प्रदान किया गया।

इस विज्ञप्ति में कहा गया है, ''दमन पुलिस के नियंत्रण कक्ष को सूचना मिली कि मछली पकड़ने वाली नौका 'आईएफ' भक्ति साई में पानी भर गया है। इसके बाद, आईसीजी वायु स्टेशन दमन ने संकट में फंसे चालक दल के पांच सदस्यों को बचाने के लिए शाम 5:32 बजे हेलीकॉप्टर सीजी 801 को रवाना किया।''

नगर निगमों को अपनी आमदनी के स्रोत बढ़ाने की जरूरत : आरबीआई रिपोर्ट

मुंबई/भाषा। नगर निगमों को संपत्ति कर में सुधार, उपयोगकर्ता शुल्क को युक्तिसंगत बनाने और बेहतर संग्रह तंत्र के माध्यम से अपनी आमदनी के स्रोतों को बढ़ाने की जरूरत है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की एक रिपोर्ट में यह परामर्श दिया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि संपत्ति कर राजस्व में लोचशीलता को ऐसे संपत्ति कर फॉर्मूला को अपनाकर सुधारा जा सकता है जो संपत्ति मूल्यांकन को अधिक प्रतिबिंबित करते हैं। संपत्ति कर, कर से होने वाली आमदनी का प्रमुख स्रोत है। आरबीआई द्वारा बुधवार को जारी 'नगर निगम वित्त पर रिपोर्ट' में कहा गया है कि बढ़ती शहरी आबादी के साथ शहरी क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता वाली सार्वजनिक सेवाओं की मांग तेजी से बढ़ रही है। रिपोर्ट के अनुसार, फिर भी भारत में इस जिम्मेदारी के साथ जुड़े नगर निगम (एमसी) सीमित राजस्व जुटा पाते हैं और अपनी वित्तपोषण आवश्यकताओं के लिए सरकार पर बहुत अधिक निर्भर रहते हैं। इससे उनकी परिचालन की मजबूती प्रभावित होती है।''

स्थानीय कराधान सुधारों, बेहतर प्रवर्तन, संस्थागत क्षमता में वृद्धि और पारदर्शी वित्तीय प्रबंधन के माध्यम से नगर निगम के वित्त को मजबूत करने के लिए राज्य-विशिष्ट रणनीतियां मजबूत नगर निगम वित्त और प्रभावी शहरी विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। इसमें कहा गया है कि आधुनिक अर्थव्यवस्थाओं और अन्य तुलनात्मक उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में भारतीय नगर निगम बहुत कम आमदनी जुटा पाते हैं। इससे सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के प्रतिशत के रूप में उनका संसाधन खर्च काफी कम रहता है। आरबीआई ने कहा, नगर निगम के पास खुद से आमदनी करने के स्रोत अविकसित हैं। इनमें कर और गैर-कर आय, दोनों शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्तमान में नगर निगम राजस्व हस्तांतरण के माध्यम से अपनी वित्त पोषण आवश्यकताओं के लिए केंद्र और राज्य सरकारों पर बहुत अधिक निर्भर हैं।

उच्चतम न्यायालय ने अजित गुट से कहा

अपने पैरों पर खड़े होने का प्रयास करें, शरद की तस्वीर का उपयोग न करें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाले राकांपा गुट को सलाह दी कि वे अपने पैरों पर खड़ा होने का प्रयास करें और चुनाव प्रचार में शरद पवार की तस्वीर का इस्तेमाल न करें, जिनके साथ पार्टी के ''वैचारिक मतभेद'' हैं।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने शरद पवार और उनके भतीजे अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के दोनों गुटों से कहा कि वे अदालतों के चक्कर लगाने के बजाय महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव पर ध्यान केंद्रित करें। पीठ ने अजित पवार के नेतृत्व वाले गुट की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता बलबीर सिंह से कहा, ''अपनी पार्टी के पदाधिकारियों से कहिए कि वे पुराने या नए वीडियो क्लिप का इस्तेमाल नहीं करें या शरद पवार की तस्वीरों का इस्तेमाल नहीं करें, जिनके साथ आपकी पार्टी के वैचारिक मतभेद हैं। आप अपने पैरों पर खड़े होने की कोशिश करें।'' इसने अजित पवार

गुट से अपने नेताओं, पार्टी कार्यकर्ताओं और विधानसभा चुनाव से जुड़े प्रतिनिधियों के बीच एक ऑनलाइन परिपत्र जारी करने को कहा कि वे शरद पवार की तस्वीर या वीडियो/ऑडियो क्लिप का इस्तेमाल नहीं करेंगे, चाहे वह पुरानी हो या नई। शरद पवार गुट की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी से पीठ ने कहा, ''भारत के लोग बहुत बुद्धिमान हैं और उन्हें इस बात का अच्छी तरह से पता है कि शरद पवार और अजित पवार कौन हैं। उन्हें इतनी आसानी से मूर्ख नहीं बनाया जा सकता।'' अभिषेक सिंघवी ने शिकायत की थी कि अजित पवार गुट के एक विधान पार्षद ने शरद पवार का एक वीडियो क्लिप प्रसारित किया है।

पीठ ने कहा कि सवाल यह है कि जब उच्चतम न्यायालय का कोई आदेश होता है तो उसका सम्मान किया जाना चाहिए। पीठ ने उच्चतम न्यायालय के पहले के आदेशों का हवाला दिया जिसमें उसने अजित पवार गुट को शरद पवार गुट की तस्वीरों का इस्तेमाल करने से रोक दिया था। पीठ ने कहा कि लोग अजित पवार गुट और शरद पवार गुट के बीच अंतर करने के लिए पर्याप्त समझदार हैं, लेकिन कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के इस युग में वे कुछ समय के लिए भ्रमित हो सकते हैं जहां नेताओं की आवाज और तस्वीरों का दुरुपयोग किया जा सकता है। उच्चतम न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई मंगलवार को निर्धारित की। महाराष्ट्र में 288 विधानसभा सीट के लिए 20 नवंबर को मतदान होगा और मतगणना 23 नवंबर को होगी। विवादास्पद चुनाव चिह्न 'घड़ी' पर अखबारों में अस्वीकरण (डिसक्लेमर) देने का निर्देश देते हुए उच्चतम न्यायालय ने छह नवंबर को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के विरोधी धड़ों (शरद और अजित पवार के नेतृत्व वाले) से कहा था कि वे मतदाताओं को लुभाने पर ध्यान दें और अदालत में अपनी ऊर्जा बर्बाद न करें। शीर्ष अदालत शरद पवार की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें अजित पवार के नेतृत्व वाले गुट द्वारा 'घड़ी' चिह्न और उनकी तस्वीर का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया गया है।

केंद्र ने कोचिंग संस्थानों के भ्रामक विज्ञापनों पर कार्रवाई के लिए दिशानिर्देश जारी किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र ने कोचिंग संस्थानों के भ्रामक विज्ञापनों पर रोक लगाने के लिए बुधवार को नये दिशानिर्देश जारी किए जिनमें शत-प्रतिशत चयन या नौकरी की पूरी गारंटी जैसे झूठे दावों को निषिद्ध किया गया है।

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) द्वारा तैयार अंतिम दिशानिर्देश का मसौदा, राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन पर कई शिकायतें मिलने के मद्देनजर जारी किया गया। सीसीपीए ने अब तक 54 नोटिस जारी किए हैं और करीब 54.60 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने संवाददाताओं से कहा, ''हमने पाया है कि कोचिंग संस्थान जानबूझकर अभ्यर्थियों से जानकारी छिपा रहे हैं। इसलिए, हम कोचिंग उद्योग में शामिल लोगों को मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए दिशानिर्देश लेकर आए हैं।'' उन्होंने कहा कि सरकार कोचिंग संस्थानों के खिलाफ नहीं है, लेकिन विज्ञापनों की गुणवत्ता से उपभोक्ता अधिकारों को नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए।

नये दिशानिर्देशों में, कोचिंग संस्थानों को प्रस्तावित पाठ्यक्रमों और अवधि, अध्यापकों से संबंधित दावे, शुल्क संरचना और शुल्क वापसी की नीतियों, परीक्षा में चयन की दर और रैंक, और चयन की गारंटी या वेतन वृद्धि के बारे में झूठे दावे करने से प्रतिबंधित किया गया है।

'कोचिंग क्षेत्र में भ्रामक विज्ञापन की रोकथाम' शीर्षक वाले दिशानिर्देशों में 'कोचिंग' को अकादमिक सहायता, शिक्षा, मार्गदर्शन, अध्ययन कार्यक्रम और ट्यूशन को शामिल करने के लिए परिभाषित किया गया है लेकिन परामर्श, खेल और रचनात्मक गतिविधियों को बाहर रखा गया है।

कोचिंग संस्थान सफल अभ्यर्थियों की लिखित सहमति के बिना उनके नाम और तस्वीर या संस्थान की प्रशंसा में उनकी टिप्पणियों का उपयोग नहीं कर सकते। उन्हें अस्वीकरण को प्रमुखता से प्रदर्शित करना चाहिए और पाठ्यक्रमों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी का खुलासा करना चाहिए। खरे ने कहा, ''सिविल सेवा परीक्षा के कई अभ्यर्थी प्रारंभिक और मुख्य परीक्षाएं खुद अध्ययन करके ही उत्तीर्ण कर लेते हैं और कोचिंग संस्थानों से केवल साक्षात्कार के लिए मार्गदर्शन लेते हैं।'' उन्होंने अभ्यर्थियों को यह सलाह दी कि वे इस बात की जांच कर लें कि सफल अभ्यर्थियों ने असल में किस पाठ्यक्रम में दाखिला लिया था। सीसीपीए प्रमुख खरे ने कहा कि कोचिंग संस्थानों को यह बताना चाहिए कि पेश किए जाने वाले पाठ्यक्रम विधिवत मान्यता प्राप्त हैं। ये प्रावधान मौजूदा कानूनों के अतिरिक्त हैं।

त्योहारी मांग से अक्टूबर में यात्री वाहनों की थोक बिक्री में मामूली वृद्धि : सियाम

नई दिल्ली/भाषा। यात्री वाहनों की थोक बिक्री अक्टूबर में सालाना आधार पर मामूली बढ़त के साथ 3,93,238 इकाई हो गयी। उद्योग संगठन सियाम ने बुधवार को यह जानकारी दी। अक्टूबर 2023 में यात्री वाहनों की थोक बिक्री 3,89,714 इकाई थी।

सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने बयान में कहा, पिछले महीने कुल दोपहिया वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 14 प्रतिशत बढ़कर 21,64,276 इकाई हो गई, जबकि अक्टूबर 2023 में यह 18,95,799 इकाई थी। स्कूटर की बिक्री अक्टूबर में 22 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 7,21,200 इकाई रही। मोटरसाइकिल की थोक बिक्री पिछले महीने 11 प्रतिशत की बढ़त के साथ 13,90,696 इकाई हो गई, जबकि अक्टूबर 2023 में यह 12,52,835 इकाई थी। अक्टूबर में मोपेड की बिक्री घटकर 52,380 इकाई रह गई, जबकि एक वर्ष पूर्व इसी माह यह 53,162 इकाई थी। तिपहिया वाहनों की थोक बिक्री पिछले महीने मामूली गिरावट के साथ 76,770 इकाई रह गई, जबकि अक्टूबर 2023 में यह 77,344 इकाई थी। सियाम के महानिदेशक राजेश मेनन ने कहा, '' अक्टूबर 2024 में दो प्रमुख त्यौहार दशहरा और दिवाली होने से उपभोक्ता मांग बढ़ी जिससे मोटर वाहन उद्योग को महत्वपूर्ण बढ़ावा मिला...'' उन्होंने कहा कि यात्री वाहनों ने 0.9% की वृद्धि के साथ अक्टूबर में 3.93 लाख इकाइयों की अपनी उच्चतम बिक्री दर्ज की।

सुलझे मुद्दों को फिर से खोलने से तनाव उत्पन्न हो सकता है : पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने बुधवार को कहा कि सुलझे हुए मुद्दों को फिर से खोलने से तनाव उत्पन्न होगा और इससे भाजपा को फायदा होगा।

महबूबा ने यह बात ऐसे समय कही जब जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने एक दिन पहले दावा किया था कि सिंधु जल संधि के कारण जम्मू कश्मीर अपनी जल विद्युत क्षमता का पूरा दोहन नहीं कर पा रहा है। अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा था कि भारत और पाकिस्तान के बीच संधि केंद्र शासित प्रदेश की विशाल जल विद्युत क्षमता का दोहन करने की क्षमता को बाधित कर रही है और यह मुख्य रूप से भंडारण पाबंदियों के चलते हो रहा है।

भारत और पाकिस्तान ने नौ वर्षों की बातचीत के बाद 1960 में सिंधु जल संधि पर हस्ताक्षर किए थे, जिसमें विश्व बैंक भी एक हस्ताक्षरकर्ता था। यह समझौता जम्मू कश्मीर में कई सीमापार नदियों के पानी के उपयोग पर दोनों पक्षों के बीच सहयोग और सूचना के

आदान-प्रदान के लिए एक तंत्र स्थापित करता है। अब्दुल्ला की टिप्पणी जताते हुए महबूबा ने श्रीनगर में संवाददाताओं से कहा, ''पिछले 75 वर्षों में जम्मू कश्मीर ने बहुत कुछ झेला है और कई कठिनाइयां देखी हैं। कई लोग मारे गए और संपत्ति नष्ट हुई। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के कारण जम्मू कश्मीर को नुकसान उठाना पड़ा। सिंधु जल संधि एकमात्र संधि है जो युद्ध और तनाव के बावजूद कायम रही।'' उन्होंने कहा कि हालांकि इसमें कोई संदेह नहीं है कि संधि के कारण जम्मू कश्मीर को नुकसान उठाना पड़ा है, लेकिन ''पिछले कुछ वर्षों से भाजपा का विमर्श यह रहा है कि वह सिंधु जल संधि को मुद्दा बनाना चाहती है।'' उन्होंने कहा, ''उमर (अब्दुल्ला) ने कहा है कि इससे नुकसान हुआ है और हम अधिक बिजली नहीं बना सकते। लेकिन हमें यह भी देखना चाहिए कि हम जो बिजली बना रहे हैं, वह हमारी है या नहीं। हम कहते हैं कि हम इसलिए नुकसान उठा रहे हैं क्योंकि हम अधिक पानी का उपयोग नहीं कर पा रहे हैं और अधिक बिजली नहीं बना पा रहे हैं। मैं पूछना चाहती हूं कि हम जो बिजली बना रहे हैं, क्या वह हमारी है?'' पीडीपी प्रमुख ने कहा कि अब्दुल्ला परिवार ने ही जम्मू कश्मीर की बिजली परियोजनाओं को एनएचपीसी को सौंपा था। उन्होंने कहा, ''जब दिवंगत शेख (नेशनल कॉन्फ्रेंस के संस्थापक शेख मोहम्मद अब्दुल्ला) मुख्यमंत्री थे, तो उन्होंने सालार परियोजना एनएचपीसी को दे दी थी।

विवाह की आयु के मुद्दे पर अगले सप्ताह अधिकारियों का पक्ष सुनेगी संसदीय समिति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संसद की एक स्थायी समिति पुरुषों और महिलाओं के लिए विवाह की उम्र की एकरूपता के मुद्दे पर अगले सप्ताह विचार करेगी। इस संबंध में लाया जा चुका एक विधेयक 17वीं लोकसभा भंग होने के साथ निष्प्रभावी हो चुका है।

महिला और बाल विकास मंत्रालय में सचिव और 'नेशनल कोलिशन एडवोकेटिंग फॉर एडोलसेंट कंसर्न्स' (एनसीएएसी) तथा 'यंग वॉइसेस कैंपेन' के प्रतिनिधि 22 नवंबर को संसदीय समिति की बैठक में उसके समक्ष प्रस्तुत होंगे। बैठक में विवाह की आयु में प्रस्तावित बदलावों और महिलाओं संबंधी अन्य विधेयक पर चर्चा होगी। बैठक के एजेंडे के अनुसार कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह की अध्यक्षता वाली शिक्षा, महिला, बच्चे, युवा और खेल संबंधी संसदीय स्थायी समिति विभिन्न वैधानिक और स्वायत्त संस्थाओं के कामकाज पर महिला और बाल विकास मंत्रालय के सचिव का पक्ष सुनेगी। इन संस्थाओं में राष्ट्रीय महिला आयोग, राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग, केंद्रीय दत्तक-ग्रहण संसाधन प्राधिकरण (कारा) और राष्ट्रीय सार्वजनिक निगम एवं बाल विकास संस्थान शामिल हैं। बाल विवाह निषेध (संशोधन) विधेयक, 2021 को दिसंबर 2021 में लोकसभा में पेश किया गया था और इसे स्थायी समिति को भेजा गया। समिति के इस पर विचार करने के लिए उसका कार्यकाल कई बार बढ़ाया गया।

अंततः 17वीं लोकसभा के भंग होने के साथ विधेयक निष्प्रभावी हो गया।

विधेयक निष्प्रभावी होने के बाद भी मुद्दों पर विचार करने के बारे में पूछे जाने पर समिति के एक वरिष्ठ सदस्य ने कहा, ''इस मुद्दे को लेने पर कोई रोक नहीं है।''

बाल विवाह निषेध (संशोधन) विधेयक, 2021 का उद्देश्य बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 में संशोधन करके लड़कियों की शादी की न्यूनतम आयु को बढ़ाकर 21 वर्ष करना है।

सरकारी अस्पताल में मरीज के बेटे ने डॉक्टर पर कई बार चाकू से वार किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई के कलईगनर सेंटेनरी अस्पताल में बुधवार को दिल दहला देनेवाली घटना सामने आई। यहां एक मरीज के बेटे ने डॉक्टर पर चाकू से कई बार वार किए। बताया गया कि उन्हें गर्दन, कान, माथे, पीठ और पेट पर चोटें आई हैं। ये पंक्तियां लिखे जाने तक डॉ. बालाजी जगन्नाथन का आईसीयू में इलाज किया जा रहा था। पुलिस ने आरोपी विग्नेश को गिरफ्तार कर लिया है। वह चेन्नई का रहने वाला है। उसकी मां अस्पताल में भर्ती है। महिला की पहले कीमोथैरेपी हुई थी।

अधिकारी ने बताया कि आरोपी की मां अस्पताल में भर्ती है और वह कथित तौर पर इलाज से असंतुष्ट था। अधिकारी ने बताया कि आरोपी ने घटना को उस समय अंजाम दिया जब वह अपनी मां के इलाज के बारे में बाह्य रोगी कक्ष में चिकित्सक से बातचीत कर रहा था। उन्होंने बताया कि अस्पताल के कर्मचारियों ने उसे तुरंत पकड़ा और पुलिस को सौंप दिया, जो उससे पूछताछ कर रही है। अधिकारी ने बताया कि चिकित्सक का इलाज किया जा रहा है और उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। डॉ. बालाजी कैंसर वार्ड में कार्यरत थे। उसी दौरान उक्त घटना हुई, जिसके बाद आरोपी ने भागने की भी कोशिश की, लेकिन उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया गया।

सरकारी चिकित्सकों ने घटना की कड़ी निंदा की है और हड़ताल की घोषणा की है। जानकारी के मुताबिक, राज्य के स्वास्थ्य मंत्री मा सुब्रमण्यम नाराज चिकित्सकों से बात करेंगे। हमलावर की पहचान चेन्नई के उपनगरीय इलाके के रहने वाले विग्नेश के तौर पर की गई है और उसकी मां कंचना का अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। हमले के शिकार चिकित्सक की पहचान बालाजी के तौर पर की गई है जो प्रख्यात कैंसर रोग विशेषज्ञ हैं और अस्पताल से संबद्ध चिकित्सा महाविद्यालय के कैंसर रोग विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर पद पर कार्यरत हैं।

आपात चिकित्सा विभाग में एक एनेस्थीसिया विशेषज्ञ ने संवाददाताओं को बताया, आरोपी ने बाह्य रोगी कक्ष को बंद कर दिया और चिकित्सक की गर्दन, कान के पीछे, छाती, माथे, पीठ, सिर और पेट पर चाकू से वार किया। उनका खून काफी बह गया है। वह दिल के मरीज हैं और उनकी हृदय की बीमारी की सर्जरी हो चुकी है। अधिकारी ने बताया कि आरोपी विग्नेश यह कहते हुए कक्ष में दाखिल हुआ कि वह अपनी मां के बारे में बात करना चाहता है। उसने अंदर से दरवाजा बंद कर दिया। दरवाजा तुरंत नहीं खोला जा सका और बाद में सुरक्षा कर्मियों, कर्मचारियों और अन्य लोगों की मदद से चिकित्सक को बाहर निकाला गया। अधिकारी ने बताया, घायल चिकित्सक को दो यूनिट खून चढ़ाया गया और सभी जख्मों पर टांके लगाए गए हैं। हमें छह से आठ घंटे और इंतजार करना होगा; वह अभी एनेस्थीसिया की वजह से अचेत हैं।

सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारा कर्तव्य : स्टालिन

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने भी इस घटना पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर कहा, 'सरकारी अस्पतालों में मरीजों को उचित उपचार प्रदान करने में हमारे सरकारी डॉक्टरों का निःस्वार्थ कार्य अतुलनीय है।' मुख्यमंत्री ने कहा, 'उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारा कर्तव्य है। सरकार भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सभी कदम उठाएगी।'

घटना की निंदा की

तमिलनाडु के स्वास्थ्य मंत्री मा सुब्रमण्यम ने भी जल्द कार्रवाई करने की बात कही है। वहीं, भाजपा नेत्री तमिलिसाई सौंदराजन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में हमले की निंदा की। उन्होंने कहा, 'डॉ. बालाजी पर हमला निंदनीय और दर्दनाक है। यह तमिलनाडु के सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों की असुरक्षित स्थिति को दर्शाता है। डॉक्टर सभी मरीजों का बिना किसी भेदभाव के इलाज करते हैं ... लेकिन स्थिति ऐसी हो जाती है कि डॉक्टरों पर ही हमला हो जाता है।' उन्होंने कहा, '... यह दुःखद है कि डॉक्टरों में असुरक्षा की भावना है। मैं उनके (डॉ. बालाजी) पूर्ण स्वस्थ होने के लिए प्रार्थना करती हूं। तमिलनाडु सरकार को डॉक्टरों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए।'

दक्षिण रेलवे के दो स्टेशनों पर प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्रों का अनावरण हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दक्षिणी रेलवे स्टेशनों पर दो नए प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केन्द्रों (पीएमबीजेके) का उद्घाटन 13 नवम्बर को किया, जिससे जनता को किफायती स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के मिशन को आगे बढ़ाया जा सके। ये दो नए आउटलेट एक बड़ी पहल का हिस्सा हैं, जिसमें प्रधानमंत्री ने पूरे भारत में कुल 18 जन औषधि केन्द्रों का अनावरण किया।

नागरकोइल और तंजावुर स्टेशनों पर नव उद्घाटन जन औषधि केंद्र में किफायती दामों पर गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाइयों की एक विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध कराएंगे, जिससे यात्रियों और आम जनता के लिए स्वास्थ्य सेवा खर्च में उल्लेखनीय कमी आएगी। प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) को सभी के लिए आवश्यक दवाइयों को सुलभ बनाने के उद्देश्य से शुरू किया गया था, खासकर आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लोगों के लिए। ये केंद्र ब्रांडेड विकल्पों की तुलना में सस्ती दवाइयाँ देकर किफायती स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। दक्षिण रेलवे में छह जन औषधि केंद्र कार्यरत हैं।

दक्षिण रेलवे में अब छह जन औषधि केंद्र हैं, जिनमें नागरकोइल और तंजावुर स्टेशनों पर नए केंद्र शामिल हैं, जिनका प्रधानमंत्री ने उद्घाटन किया। अन्य चार केंद्र पलक्कड़ जंक्शन, तिरुचिरापल्ली जंक्शन, इरोड जंक्शन और डिंडीगुल जंक्शन पर स्थित हैं, जिनमें से सभी ने 12 मार्च को परिचालन शुरू किया। इन नए जन औषधि केंद्रों के जुड़ने से, दक्षिण रेलवे यात्रा करने वाले लोगों के लिए सुलभ और सस्ती स्वास्थ्य सेवा के प्रति भारत सरकार की प्रतिबद्धता का समर्थन करना जारी रखेगा।

तमिलनाडु में भारी बारिश : स्वास्थ्य विभाग ने वायरल बीमारियों को लेकर जारी की चेतावनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारी बारिश के बीच तमिलनाडु के कई जिलों में राज्य स्वास्थ्य विभाग ने डेंगू, इन्फ्लूएंजा और वायरल संक्रमण में वृद्धि संबंधी चेतावनी जारी की है। चेन्नई और उसके आस-पास के जिलों कांचीपुरम, चेंगलपट्टू और तिरुवल्लूर में बुखार, श्वसन संक्रमण और वायरल रोगों के मामलों में वृद्धि देखने को मिल रही है। राज्य के विभिन्न हिस्सों से मलेरिया और लेप्टोस्पायरोसिस की रिपोर्ट भी सामने आई है।

स्वास्थ्य विभाग ने निवासियों से विशेष रूप से बच्चों के लिए अतिरिक्त सावधानी बरतने का आग्रह किया है। अधिकारियों ने तेज बुखार, ठंड लगना, खांसी, गले में खराश, शरीर में दर्द और सिरदर्द जैसे लक्षणों पर ध्यान देने को कहा। सलाह दी कि इस तरह के लक्षण अगर आपको दिखाई दें तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लें। जनवरी 2024 से तमिलनाडु में डेंगू के 18,000 से ज्यादा मामले दर्ज किए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग ने निवासियों से मच्छरों के प्रजनन को रोकने के लिए अपने घरों के आस-पास जमा पानी को साफ करने को कहा है। स्वास्थ्य मंत्री मा सुब्रमण्यम ने बताया कि विभाग दस जिलों चेन्नई, कोयंबटूर, कृष्णगिरि, तिरुप्पुर, तिरुवल्लूर, थेनी, मदुरै, तिरुनेलवेली, तंजावुर और तिरुचि में विशेष रूप से नजर बनाए हुए है। यहां से 57 फीसदी मामले सामने दर्ज किए गए हैं।

सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं निवारक चिकित्सा निदेशक डॉ. टी.एस. सेल्वाविनायगम कहा कि स्वास्थ्य विभाग सरकारी और निजी अस्पतालों द्वारा रिपोर्ट किए गए डेंगू और अन्य बुखार से संबंधित मामलों पर नजर रख रही है। लोगों को सलाह दी गई है कि वे घर के बेकार सामान में बारिश का पानी जमा न होने दें, क्योंकि इसमें मच्छर पनपते हैं।

वीआईटी परिसर में दो इमारतों का हुआ उद्घाटन

वेल्लोर। यहां मंगलवार को वीआईटी यूनिवर्सिटी ने बड़े उत्साह और धूमधाम के साथ अपने रूबी जुबली समारोह की शुरुआत की। इस उत्सव में दो महत्वपूर्ण नई इमारतें सरोजिनी नायडू ब्लॉक (लेडीज हॉस्टल) और आरजी टॉवर (राजम्मल गोविंदसामी टॉवर - स्टाफ क्वार्टर) का भव्य उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समारोह में पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू, तमिलनाडु सरकार के जल संसाधन मंत्री दुरईमुरुगन, वेल्लोर के सांसद डीएम कथिर आनंद, तथा कुलाधिपति डॉ. जी. विश्वनाथन के साथ-साथ वीआईटी के अन्य गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

ईडी ने फेमा मामले में चेन्नई की बिजली कंपनी के खिलाफ छापेमारी में आठ करोड़ रु. जब्त किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नियमों और विदेशी मुद्रा विनिमय कानून के कथित उल्लंघन के लिए चेन्नई स्थित एक बिजली उत्पादन कंपनी के परिसरों की तलाशी के बाद आठ करोड़ रुपये से अधिक नकदी जब्त की है।

विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत दो दिन तक तलाशी अभियान 11 नवंबर को अरविंद गुप्ता द्वारा नियंत्रित ओपीजी समूह के परिसर में शुरू किया गया था। ईडी के अनुसार, ओपीजी समूह को गुप्ता के परिवार के सदस्यों द्वारा बिजली क्षेत्र में उपयोग के लिए स्थापित सेशेल्स स्थित कंपनियों से 1,148 करोड़ रुपये का एफडीआई प्राप्त हुआ था। बयान में कहा गया, हालांकि, जांच से पता चला है कि धन का दुरुपयोग किया गया और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को गलत घोषणा सहित फेमा प्रावधानों के कई उल्लंघन सामने आए हैं।

एजेंसी ने कहा कि छापेमारी के दौरान कंपनी के कार्यालय परिसर और उसके निदेशकों के आवास से 8.38 करोड़ रुपये की नकदी जब्त की गई। एजेंसी इस मामले में धन शोधन रोधक कानून (पीएमएलए) के 'संभावित' उल्लंघन की भी जांच कर रही है।

मुझे उम्मीद है कि वायनाड के लोग अपने प्रतिनिधित्व का अवसर देंगे : प्रियंका गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वायनाड/भाषा। वायनाड लोकसभा उपचुनाव में कांग्रेस नीत यूडीएफ की उम्मीदवार प्रियंका गांधी वाद्रा ने बुधवार को उम्मीद जताई कि इस संसदीय क्षेत्र के लोग उन्हें प्रतिनिधित्व करने का मौका देंगे।

कांग्रेस महासचिव ने वायनाड में मतदान केंद्रों का दौरा करते समय यह बयान दिया जहां लोकसभा उपचुनाव के लिए मतदान जारी है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, मेरी अपेक्षा है कि वायनाड के लोग मुझे उस प्यार और स्नेह को लौटाने का अवसर देंगे जो उन्होंने मुझे दिया है। वे मुझे अपने लिए काम करने और अपना प्रतिनिधि बनने का अवसर देंगे।

वक्फ कानून के मुद्दे पर संवाददाताओं के प्रश्नों का उत्तर देते हुए प्रियंका ने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि आज इस तरह के विवादों की बात करने का दिन है। आज मतदान का दिन है। मुझे उम्मीद है कि सभी लोग अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का इस्तेमाल करेंगे और मतदान करेंगे।'' क्या वह वायनाड में अपने भाई राहुल गांधी की तुलना में बड़े अंतर से जीत दर्ज करेंगी, इस प्रश्न पर प्रियंका ने कहा, ''यह तो देखना होगा।''

राहुल ने 2024 के लोकसभा चुनाव में वायनाड लोकसभा सीट पर साढ़े तीन लाख वोट से अधिक अंतर से जीत हासिल की थी। 2019 में उनकी जीत का अंतर 4.3 लाख वोट से अधिक था। वह 2024 के आम चुनाव में वायनाड के साथ रायबरेली लोकसभा सीट से भी चुनाव जीते थे। बाद में उन्होंने वायनाड सीट छोड़ दी और यहां उपचुनाव जरूरी हो गया।

आरसीएचएम ने फल मिश्रण समारोह का आयोजन किया

चेन्नई। इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट (आईएचएम) पूरे साल कई तरह के उत्सवों का आयोजन करता है, जिसमें छात्रों, कर्मचारियों और मेहमानों की जीवंत और उत्साही भागीदारी देखने को मिलती है। नवंबर में होने वाला ऐसा ही एक आनंददायक वार्षिक उत्सव है फ्रूट मिक्सिंग सेरेमनी, जो क्रिसमस सीजन की शुरुआत का प्रतीक है। 13 नवंबर को आयोजित भव्य 'फ्रूट मिक्सिंग सेरेमनी' वेंकटेश रेड्डी होटल कंसल्टेंट; शेफ कौशिक फूड कंसल्टेंट; शेफ. बूपेश राइटर्स कैफे के कॉर्पोरेट शेफ;कृष्णमूर्ति प्रेम के ग्राम्य भोजन के मालिक और हर्ष फूड कंसल्टेंट जैसे प्रसिद्ध शेफ की गरिमामयी उपस्थिति में धूमधाम से मनाया गया। इस संस्थान के प्रतिष्ठित पूर्व छात्र उद्यमी अंदवन काधीर, आईएचएम चेन्नई एलुमनी एसोसिएशन बोर्ड के सचिव बिपिन और विभिन्न क्षेत्रों के कई अन्य पूर्व छात्र भी केक मिक्सिंग सेरेमनी में शामिल हुए।

यह एक शानदार समारोह है जिसमें सूखे मेवे, मेवे और मसालों को स्पिरिट के समृद्ध मिश्रण में डुबोया जाता है, जिसका उपयोग एक महीने बाद स्वादिष्ट क्रिसमस केक बनाने के लिए किया जाता है। क्रिसमस से कम से कम दो महीने पहले इन फलों को मिलाने की परंपरा से सामग्री को परिपक्व होने और स्वाद में सुधार करने का समय मिलता है। माना जाता है कि यह कालातीत परंपरा आने वाले वर्ष के लिए सकारात्मक भाग्य का सूत्रपात करती है। प्रतिभागी अक्सर मिश्रण को हिलाते हुए इच्छाएँ करते हैं, मिश्रण करने की क्रिया प्रेम, खुशी और एकता के मिश्रण का प्रतिनिधित्व करती है। यह भविष्य के लिए आभार और आशा व्यक्त करने का क्षण है और खक्च् चेन्नई विविध पृष्ठभूमि से आए मेहमानों का स्वागत करके खुशी से इसका सम्मान करता है। फल मिश्रण समारोह एक पोषित अनुष्ठान है जो परंपरा, एकजुटता और क्रिसमस के मौसम की प्रत्याशा को जोड़ता है, जो टीम भावना के आनंद को बढ़ाता है।

केरल में माकपा नेता जयराजन की 'अप्रकाशित आत्मकथा' को लेकर विवाद पैदा हुआ

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल में वायनाड लोकसभा सीट और चेलक्करा विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए जारी मतदान के बीच मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के नेता ई पी जयराजन की आत्मकथा को लेकर बुधवार को नया विवाद पैदा हो गया है जो अभी प्रकाशित नहीं हुई है। कुछ समाचार चैनलों ने कथित आत्मकथा के अंश आज सुबह प्रसारित किए जिसमें वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) की सरकार और माकपा के बारे में आलोचनात्मक टिप्पणियां हैं। उपचुनाव वाले दिन इस मामले से बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा होने पर जयराजन ने किताब के अंशों को खारिज किया और दावा किया कि उन्होंने ऐसा कुछ नहीं लिखा है और उन्होंने अपनी पुस्तक लिखने का काम पूरा नहीं किया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस ने जहां एक ओर त्वरित प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि इससे मार्क्सवादी पार्टी के नेताओं के बीच बढ़ती अंदरूनी कलह और असंतोष उजागर हो गया है, वहीं माकपा नेतृत्व ने सतर्कतापूर्वक प्रतिक्रिया व्यक्त की लेकिन जयराजन की खुलकर आलोचना नहीं की। कथित पुस्तक के स्थानीय मीडिया द्वारा प्रसारित अंशों में जयराजन को एलडीएफ संयोजक के पद से हटाने के पार्टी के फैसले और केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के पूर्व डिजिटल मीडिया संयोजक पी. सरीन को पलक्कड में एलडीएफ समर्थिक निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर चुनने के फैसले की आलोचना की गई है। 'कत्तन चयायुम परिप्पुवदायुम : द लाइफ ऑफ ए कम्युनिस्ट' नामक पुस्तक कथित तौर पर एक जाने-माने प्रकाशक द्वारा प्रकाशित की जा रही है, जिसने मंगलवार को अपने सोशल मीडिया खाते पर इसका आवरण जारी किया।

वीओसी पोर्ट ने सतर्कता जागरूकता अभियान का किया समापन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2024 का समापन समारोह वीओ चिदम्बरनार बंदरगाह प्राधिकरण द्वारा 13 नवम्बर को आयोजित किया गया।

वीओ चिदंबरनार (वीओसी) पोर्ट अथॉरिटी के अध्यक्ष सुशांत कुमार पुरोहित ने एक प्रेरक संबोधन दिया, जिसमें उन्होंने पोर्ट पर कार्गो हैंडलिंग सुविधाओं, कार्गो निकासी बुनियादी ढांचे और आगामी ग्रीन हाइड्रोजन विनिर्माण सुविधाओं के विस्तार में तेजी से हो रहे विकास पर प्रकाश डाला। उन्होंने सभी परिचालनों में पारदर्शिता के महत्व पर जोर दिया और इस बात पर जोर दिया कि पारदर्शिता और विकास को साथ-साथ चलना चाहिए, यह सुनिश्चित करते हुए कि प्रगति ईमानदारी और जवाबदेही के साथ हासिल की जाए।

समारोह के मुख्य अतिथि केन्द्रीय सतर्कता आयोग के निदेशक बानी ब्रत रॉय ने अपने संबोधन में एक ऐसे माहौल को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर दिया, जहां राष्ट्र के विकास में आगे बढ़ने के साथ-साथ सभी क्षेत्रों में ईमानदारी कायम रहे। उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को अपनी-अपनी कार्य प्रक्रियाओं में मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) से पूरी तरह परिचित होने और उनका पालन करने की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि त्रुटियों को कम किया जा सके और कार्यस्थल की ईमानदारी बनी रहे।

वीओ चिदंबरनार पोर्ट अथॉरिटी के मुख्य सतर्कता अधिकारी एस. मुरली कृष्णन ने सभा का स्वागत किया और इस बात पर जोर दिया कि स्कूलों और कॉलेजों के लिए पोर्ट द्वारा आयोजित प्रतियोगिताएं राष्ट्र निर्माण प्रक्रिया में भ्रष्टाचार द्वारा उत्पन्न बाधाओं पर युवा मन में अलख जगाएंगी। गत 28 अक्टूबर से 3 नवंबर तक चलने वाले सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान, 'राष्ट्र की समृद्धि के लिए अखंडता की संस्कृति' थीम के तहत कर्मचारियों, स्कूली बच्चों और कॉलेज के छात्रों के लिए स्किट, निबंध लेखन, चित्रकारी, भाषण, वाद-विवाद, गायन, नृत्य, डिजिटल प्रस्तुति, विभिन्न प्रशिक्षण, शपथ और रैली आयोजित की गई।

प्रधानमंत्री की विजनरी लीडरशिप से देश में विकास को मिली अभूतपूर्व गति : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को बिहार के दरभंगा से देश को 12 हजार करोड़ रुपए की सड़क, रेलवे, स्वास्थ्य सहित विभिन्न सेक्टर की 25 से अधिक परियोजनाओं की सौगात दी। कार्यक्रम में राजस्थान में भी जयपुर, बाड़मेर एवं फालना में प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केन्द्र का वर्चुअल शुभारंभ किया गया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मुख्यमंत्री निवास से इस कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़े। प्रधानमंत्री ने इस दौरान देशवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि केन्द्र सरकार विकसित भारत बनाने की दिशा में तेजी से अपने कदम बढ़ा रही है। इसी क्रम में आज 12 हजार करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार देश में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण पर फोकस कर रही है। हम बीमारी से बचाव, बीमारी की समय पर जांच, मुफ्त एवं सस्ता इलाज, छोटे शहरों में भी इलाज की बेहतरीन सुविधा, चिकित्सक की कमी को दूर करना तथा स्वास्थ्य क्षेत्र में तकनीक के विस्तार के लक्ष्य के साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज दरभंगा में हुए एम्स के शिलान्यास से स्थानीय स्तर पर तो स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार होगा ही साथ ही, युवाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के अनेक अवसर बनेंगे। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न अभियान फिट इंडिया मूवमेंट, स्वच्छ भारत अभियान, हर घर नल से जल जैसे अभियानों से न केवल स्वच्छता बढ़ी है बल्कि बीमारियों के संक्रमण पर भी रोकथाम लगी है।

मोदी ने कहा कि हमारी डबल इंजन सरकार देश के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। केन्द्र सरकार की किसान सम्मान निधि तथा किसान क्रेडिट कार्ड जैसी पहल से हमारे अन्नदाताओं का आर्थिक सशक्तिकरण हुआ है। उन्होंने कहा कि 'एक जिला-एक उत्पाद' योजना से स्थानीय उत्पादों को अंतर्राष्ट्रीय पहचान मिली है। इसके अतिरिक्त हमने एक दर्जन से अधिक स्थलों को रामायण सर्किट से जोड़ा है, इससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि हम 'विकास भी और विरासत भी' की सोच के साथ काम कर रहे हैं। इसी क्रम में विभिन्न भाषाओं को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया गया है। मोदी ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारें पहले वादों और दावों में ही उलझी रहती थीं, लेकिन हम अपने किए गए प्रत्येक वादे को पूरा करने के लिए संकल्पित होकर काम कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजनरी लीडरशिप में देश में विकास को अभूतपूर्व गति मिली है। सड़क, ऊर्जा, मेडिकल, उद्योग, बिजली, पानी, शिक्षा, सूचना प्रौद्योगिकी सहित तमाम विकास संकेतकों में भारत विश्वभर में मजबूती के साथ आगे आया है। आज राजस्थान में जयपुर में दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन, बाड़मेर तथा फालना के रेलवे स्टेशन पर प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केन्द्र का शुभारंभ किया गया है। इससे आमजन को कम कीमत पर दवाइयां उपलब्ध हो सकेंगी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए लगातार निर्णय ले रही है। मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत जरूरतमंदों को निःशुल्क इलाज मिल रहा है। वहीं, आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के निर्माण, रामाश्रय वार्ड, मा वाउचर जैसे नवाचारों से स्वस्थ राजस्थान के मिशन को गति मिली है। इस अवसर पर प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य श्रीमती गायत्री राठौड़, रेलवे के अपर मण्डल रेल प्रबंधक (जयपुर डिविजन) गौरव गौड़ उपस्थित रहे।

भिखारी के भेष में आई महिलाएं, दिन दहाड़े लाखों के गहने किए चोरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भरतपुर। भरतपुर के उच्चैन थाना इलाके में दिन-दहाड़े दो महिलाओं ने लाखों रुपये के गहनों की चोरी कर ली। यह महिलाएं भिखारी के भेष में घर में घुस आई थीं और सीसीटीवी में उनकी चोरी की तस्वीरें कैद हो गईं। घटना का खुलासा तब हुआ जब घर की महिलाएं नहाने और कपड़े धोने के बाद घर लौटीं और उन्होंने देखा कि कमरों के ताले टूटे हुए थे और सामान बिखरा हुआ था। घटना के मुताबिक मानसिंह ने बताया कि वह और उनका भतीजा बुगल खरेरा गांव के एक ही मकान में रहते हैं। बुधवार को चार महिलाएं भिखारी के भेष में गांव में आईं और घर-घर जाकर भीख मांगने लगीं। इनमें से दो महिलाएं उनके घर भी आईं। दोनों महिलाओं ने घर के चबूतरे पर बैठकर खाना खाया और काफी देर तक वहीं रुककर बातचीत की। इस दौरान घर की महिलाएं नोहरे में नहाने और कपड़े धोने के लिए चली गईं। इसी अवसर का फायदा उठाते हुए दोनों महिलाएं घर में घुस गईं और कमरों के ताले तोड़कर अलमारी और बक्सों से गहने चुराए।

चोरी के बाद, दोनों महिलाएं घर से बाहर लगी सीढ़ियों में गहनों की डिब्बियां फेंक कर चली गईं। जब घर की महिलाओं ने घटना की जानकारी दी तो सीसीटीवी फुटेज से पता चला कि चोरी करने वाली महिलाएं भिखारी के भेष में थीं। चोरी में मानसिंह के कमरे से डेढ़ तोला बिजली, पांच ग्राम की अंगूठी, दो तोला की लर, डेढ़ किलो चांदी के गहने, दो तोला की झूमर और डेढ़ तोला के झाले चुराए गए। साथ ही, बुगल के घर से छह अंगूठियां, एक लर, दो झाले, चार फोटकी, पांच जोड़ी पायल और 10 हजार रुपये नकद चोरी हुए। ग्रामीणों ने महिलाओं को ढूंढने का प्रयास किया, लेकिन उनका कुछ पता नहीं चला। इसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गई। यह घटना उच्चैन थाना इलाके में चोरी की बढ़ती घटनाओं का हिस्सा है। 11 नवंबर को भी यहां पांच घरों को चोरों ने निशाना बनाया था, लेकिन दो दिन बीतने के बावजूद पुलिस चोरों का पता लगाने में नाकाम रही है। स्थानीय लोग और पीड़ित परिवार इस बारे में पुलिस की नाकामी पर सवाल उठा रहे हैं और जल्द कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

रेल पटरियों पर वाहन चढ़ाने वाले के खिलाफ मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। रेल पटरियों पर थार वाहन अनधिकृत रूप से चढ़ाकर 'स्टंट' की कोशिश करने के आरोपी के खिलाफ रेलवे सुरक्षा पुलिस ने मामला दर्ज किया है। इस गाड़ी को जब्त कर लिया गया और उसके चालक की पहचान कर ली गई है। रेलवे के प्रवक्ता ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस संबंध में रेलवे सुरक्षा बल द्वारा रेल अधिनियम की धारा 153, 174, 147 के अंतर्गत मुकदमा दर्ज कर गाड़ी ज़ब्त कर ली गई। उन्होंने बताया कि आरोपी की पहचान कर ली गई है तथा नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

यह घटना सोमवार शाम की जयपुर मंडल के कनकपुरा-धानक्या रेलवे स्टेशनों के बीच की है। थार वाहन चला रहे एक युवक ने जानबूझकर उसे रेलवे ट्रैक पर चढ़ा दिया और ट्रैक को पार करने की कोशिश की लेकिन उसका वाहन रेलवे पटरियों के बीच फंस गया। इस दौरान एक मालगाड़ी आ रही थी जिसके लोको पायलट ने देखा कि एक थार गाड़ी रेलवे ट्रैक पर फंसी हुई है। उसने सतर्कता दिखाते हुए मालगाड़ी को निश्चित दूरी पर रोका और वॉकी-टॉकी से संबंधित रेल कर्मचारियों को सूचना दी।

रेलवे सुरक्षा बल को सूचना मिलते ही वह मौक़े पर पहुंचे तो वाहन चालक 'थार' को जैसे-तैसे रेलवे पटरियों से निकाल कर भागा। पीछा करने पर वह लगभग चार किलोमीटर दूरी पर गाड़ी को छोड़कर भाग गया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर आया। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार, इस संबंध में रेलवे सुरक्षा बल द्वारा रेल अधिनियम की धारा 153, 174, 147 के अंतर्गत मुकदमा दर्ज कर गाड़ी ज़ब्त कर ली गई।

उन्होंने बताया कि आरोपी की पहचान कर ली गई है तथा नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि रेल अधिनियम की धारा 153 के तहत पांच वर्ष तक की सजा का प्रावधान है। धारा 147 व 174 के अन्तर्गत सजा व जुर्माना अथवा दोनों का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि रेलवे ट्रैक पर मोबाइल फ़ोन अथवा कैमरे से रील बनाना भी क़ानूनन अपराध है तथा इस प्रकार के मामलों में रेलवे द्वारा सख़्त कार्रवाई की जाती हैं।

दुनिया में निवेश के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित होगा राजस्थान : शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जयपुर में आयोजित होने वाली 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट' भविष्य के विकसित राजस्थान की नींव रखेगी। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन में होने वाले निवेश करारों से राजस्थान अक्षय ऊर्जा, खनन, पर्यटन, ऑटोमोबाइल सहित विभिन्न क्षेत्रों में विकास के नए आयाम स्थापित करेगा और विश्व भर में निवेश के प्रमुख केन्द्र के रूप में स्थापित होगा। आधिकारिक बयान के अनुसार, शर्मा मुख्यमंत्री निवास पर सम्मेलन के आयोजन की तैयारियों को लेकर समीक्षा कर रहे थे।

निर्दलीय प्रत्याशी ने एसडीएम को कथित तौर पर थप्पड़ मारा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। विधानसभा उपचुनाव के लिए चल रहे मतदान के दौरान देवली-उनियारा विधानसभा क्षेत्र में एक निर्दलीय उम्मीदवार ने चुनाव ड्यूटी पर तैनात एक अधिकारी एसडीएम को कथित तौर पर थप्पड़ मार दिया। यह वाकया कांग्रेस से बागी होकर निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ रहे नरेश मीणा से जुड़ा है। उन्होंने चुनाव ड्यूटी पर तैनात मालपुरा के उपखंड अधिकारी अमित चौधरी का कॉलर पकड़ लिया। जिला निर्वाचन अधिकारी और टोंक कलेक्टर सौम्या झा ने बताया कि समरावता गांव के मतदाताओं ने अपनी एक मांग के समर्थन में मतदान का बहिष्कार करने की घोषणा की थी, लेकिन मतदान केंद्र और बूथ तक पहुंचने वाला रास्ता खुला था। उन्होंने बताया कि जब एसडीएम चौधरी जब लोगों को वोट डालने के लिए मनाने वहां गए तो निर्दलीय प्रत्याशी ने उन्हें थप्पड़ मार दिया।

नरेश उन ग्रामीणों का समर्थन कर रहे थे जिन्होंने मतदान का बहिष्कार करने की घोषणा की थी। जिला कलेक्टर ने बताया, यह गांव वर्तमान में नगर फोर्ट तहसील में आता है और ग्रामीण गांव को उनियारा तहसील के अंतर्गत लाने की मांग कर रहे हैं जो उनके गांव के पास है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों ने कुछ दिन पहले यह मांग उठाई थी और उन्हें 30 अक्टूबर को आश्वासन दिया गया था कि आदर्श आचार संहिता हटने के बाद इस मामले पर विचार किया जाएगा।

भारत और इण्डोनेशिया के सांस्कृतिक एवं वाणिज्यिक संबंध प्रगाढ़ : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर,। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि भारत और इण्डोनेशिया के मध्य साझा सांस्कृतिक विरासत होने के साथ व्यापारिक संबंध भी प्रगाढ़ हैं।

उन्होंने कहा कि दोनों देशों में सांस्कृतिक व वाणिज्यिक संबंध की घनिष्ठता बहुत समय से है। रामायण व महाभारत की कहानियां इण्डोनेशिया में लोक कला व नाटकों का स्त्रोत है।

देवनानी ने कहा कि साझा सांस्कृतिक विरासत, औपनिवेशिक इतिहास और राजनैतिक सम्प्रंभुता दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों पर एकीकृत प्रभाव डालते हैं। देवनानी ने बुधवार को सिंगापुर रवाना होने से पहले बाली में भारत के महावाणिज्य दूतावास में आयोजित समारोह में भारत और इण्डोनेशिया के लोंगो को संबोधित किया। वहां लोगों ने देवनानी का सम्मान किया।

देवनानी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल से दोनों देशों के मध्य द्विपक्षीय संबंधों में एक नये युग की शुरूआत हुई है। नई व्यापक रणनीतिक साझेदारी से विभिन्न क्षेत्रों में दोनों देशों का सहयोग बढा है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के मध्य नियमित रूप से संसदीय आदान-प्रदान भी होते है।

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि रामायण व महाभारत की कहानियां इंडोनेशिया में नाटक व लोक कला का स्रोत है। यहां भारतीय संगीत, नृत्य कला के साथ-साथ योग को भी बढावा दिया जा रहा है। भारत के अनेक ग्रंथों पर यहां सांस्कृतिक शोध होता है। भारतीय संस्कृति व चिंतन यह रचा-बसा हुआ है। देवनानी के सम्मान में बाली में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। श्री देवनानी का काउंसलेट जनरल ऑफ इंडिया शशांक विक्रम ने पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। श्री देवनानी ने दूतावास का अवलोकन किया और अधिकारियों से परिचय लिया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष की कांग्रेस को सलाह, वोट बैंक की राजनीति के बजाय जनहित में करें कार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि विपक्ष क्या कर रहा है, इस पर ध्यान करने की बजाय भाजपा हमेशा अपने कार्यों पर ध्यान देती है। विपक्षी नेताओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश के 140 करोड़ देशवासियों को अपना परिवार कहने से आपत्ति है, उनको देशवासियों को संगठित रहने की अपील करने से आपत्ति है और उनको वस्त्र और उसके रंग से भी आपत्ति है तो इससे उनकी विकृत मानसिकता देशवासियों के सामने उजागर हो गई। कांग्रेसी नेताओं को औवेसी के बयानों पर कभी आपत्ति नहीं हुई, वो 15 मिनट पुलिस हटाने वाले बयान पर प्रतिक्रिया नहीं देते, क्योंकि कांग्रेस वोटबैंक की राजनीति करती है, उसको विकास से कोई लेना देना नहीं है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस में राजनीति का स्तर गिरता जा रहा है, इसका नुकसान कांग्रेस पार्टी को होना तय है। भाजपा ने कभी भी कांग्रेस क्या कर रही है, इस पर ध्यान नहीं दिया, बल्कि सबका साथ, सबका विकास और सबका प्रयास की नीति पर कार्य करते हुए जन कल्याणकारी नीतियां तैयार की। भाजपा की केंद्र और राज्य सरकार ने बजट में हर वर्ग, हर समुदाय के लिए योजनाएं बनाई। भाजपा समाज के अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति के लिए कार्य कर रही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के अधिकांश नेता भ्रष्टाचार और घोटालों में संलिप्त पाए जा रहे है। कर्नाटक में कांग्रेसी नेता के 64 ठिकानों पर कमरे नोटों से भरे मिले। कर्नाटक ही नहीं, कांग्रेस शासित प्रदेशों में घोटाले पर घोटाले किए जा रहे है। ऐसे में कांग्रेस को अपनी गिरेबा में झांक कर देखना चाहिए। भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने के बजाय कांग्रेसियों को जनहित में काम करना चाहिए। वोटबैंक के लिए प्रलोभन देने की बजाय रोजगार सृजन करने की जरूरत है। कांग्रेस चुनावों में रेवड़ियां बांटने का काम करती है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि आज देशवासियों को संगठित रहने का संदेश देने में विपक्ष को कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। भाजपा की एक नीति है कि सबको एकजुट रहना है तब ही राष्ट्र का विकास होगा। देश की एकता, अखंडता सुदृढ़ होगी। अगर हम आपस में बटेंगे तो दुश्मनों को लाभ होगा। कांग्रेस ने हमेशा देश को धर्म और जाति के नाम पर बांटने का काम किया। कांग्रेस पार्टी के नेताओं के स्वभाव में छिद्रान्वेषण भरा हुआ है।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष राठौड़ ने सलाह देते हुए कहा कि विपक्षी नेताओं को अपना ध्यान रखना चाहिए, पडौस के घर में ताकझांक शोभा नहीं देती। समाज के बुद्धिजीवी, राजनेता या फिर सभ्रान्त व्यक्तियों को ताकझांक शोभा नहीं देती। भाजपा नेता जनता के विकास के लिए पूर्ण रूप से समर्पित है।

राइजिंग राजस्थान निवेश सम्मेलन में 32 हजार करोड़ रुपये के हुए करार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। राजस्थान में बीकानेर में जिला स्तरीय राइजिंग राजस्थान निवेश सम्मेलन में बुधवार को 131 निवेशकों ने करीब 32 हजार करोड़ रुपये के निवेश के करार पर हस्ताक्षर किये। इनसे करीब 24 हजार लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। कार्यक्रम में वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संकल्प है कि वर्ष 2047 तक भारत विकसित देश बने। देश तभी विकसित होगा, जब राज्य विकसित होंगे। इसके मद्देनजर राज्य के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की पहल पर राज्य और जिला स्तर पर निवेश सम्मेलन आयोजित किये जा रहे हैं। इससे निवेश के नये रास्ते खुलेंगे और आने वाले समय में राजस्थान औद्योगिक दृष्टि से अग्रिम पंक्ति में होगा।

उन्होंने कहा कि बीकानेर में हवाई सेवाओं के विस्तार की दिशा में सतत प्रयास किये जा रहे हैं। दिसम्बर तक वंदे भारत एक्सप्रेस यहां से शुरू करवाने का प्रयास किया जा रहा है। जिले में ड्राई पोर्ट की स्थापना की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। मेघवाल ने कहा कि बीकानेर को विकास की दृष्टि से किसी कीमत पर पीछे नहीं रहने देंगे। सम्मेलन के दौरान किये गये सभी करार समयबद्ध क्रियान्वित किये जायेंगे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री एवं जिला प्रभारी मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से कहा कि बीकानेर, पश्चिम राजस्थान का सबसे महत्वपूर्ण शहर है। जहां पर्यटन, सौर ऊर्जा, सिरेमिक, ऊन, पापड़, भुजिया और मिठाई सहित विभिन्न क्षेत्रों में औद्योगिक विकास की अपार संभावनायें हैं। यह सम्मेलन इन संभावनाओं को धरातल पर उतारने में महत्वपूर्ण साबित होगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में संकल्पबद्धता से कार्य कर रहे हैं। उन्होंने विश्वास दिलाया कि राज्य सरकार निजी क्षेत्र के औद्योगिक निवेशकों के साथ भागीदार के रूप में काम करेगी। यह सुनिश्चित किया जायेगा कि उद्यमियों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो।राजस्थान के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प वर्ष 2031 तक भारत को 10 खरब डॉलर की इकोनॉमी बनाते हुये दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित करना है। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा का सपना राजस्थान को 350 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था के रूप में विकसित करना है। इन्हें साकार करने में उद्योगों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रहेगी। उन्होंने कहा कि सम्मेलन के माध्यम से हजारों करोड़ के निवेश आएंगे तो रेगिस्तान की धरती की किस्मत चमक जायेगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में बीकानेर मूंगफली, सरसों, ग्वार, मोठ उत्पादन में ऊपरी पायदान पर है। वहीं सौर ऊर्जा क्षेत्र में बड़ा निवेश बीकानेर को विकास के पथ पर आगे बढ़ायेगा। संभागीय आयुक्त वंदना सिंघवी ने कहा कि सभी करारों को समयबद्ध क्रियान्वित करने में उद्योग एवं वाणिज्य, रीको के साथ जिला प्रशासन द्वारा पूर्ण समन्वय किया जायेगा।

जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने कहा कि राज्य सरकार के इस नवाचार के प्रति निवेशकों ने विशेष रुचि दिखाई है। जिसके फलस्वरूप बड़ी संख्या में करार किये गये हैं। इस दौरान निवेशक आशु गुप्ता और दीपक अग्रवाल ने भी विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर सभी निवेशकों ने अपने करार हस्तांतरित किये।

कार्यक्रम में बीकानेर (पश्चिम) विधायक जेठानंद व्यास, श्रीडूंगरगढ़ विधायक ताराचंद सारस्वत, महापौर सुशीला कंवर राजपुरोहित, जिला प्रभारी सचिव कृष्ण कुणाल, महानिरीक्षक पुलिस ओम प्रकाश, पुलिस अधीक्षक कावेंद्र सागर और रीको के वरिष्ठ महाप्रबंधक सुनील गर्ग सहित विभिन्न अधिकारी मौजूद रहे। जिला स्तरीय समारोह के दौरान नेकोफ ऊर्जा प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 20 हजार करोड़ और क्लीन मैक्स एनवायरो एनर्जी सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आठ हजार करोड़ रुपये के निवेश का करार किया गया। हरियाणा सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड द्वारा 375, एसए रिन्यूएबल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 280 और ओविक सोलर द्वारा 200 करोड़, साईं वीएसएलपी बायो एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 123, मुकेश ट्रेडिंग कॉरपोरेशन द्वारा 120 और जैन केयरिंग कॉर्पोरेशन, बीकाजी फूड्स इंटरनेशनल लिमिटेड और श्रीराम सुपर स्पेशलिटी सर्जिकल सेंटर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 100 करोड़ रुपये के निवेश के करार किये गये।

पहली वर्षगांठ पर लगभग 25 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र देगी राजस्थान सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की भजनलाल शर्मा सरकार अपने कार्यकाल का पहला साल पूरा होने पर लगभग 25 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र देने की तैयारी कर रही है।

एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, राज्य सरकार का एक साल पूरा होने से पहले करीब 25 हजार युवाओं को नियुक्तियां देने और 51 हजार से अधिक नई भर्तियों की सौगात देने जा रहे हैं। राज्य सरकार की पहली वर्षगांठ दिसंबर महीने में आएगी। बयान के अनुसार, शर्मा ने हाल ही में समीक्षा बैठक आयोजित कर सभी विभागों को जारी भर्ती प्रक्रियाएं समय पर पूरी कर युवाओं को शीघ्र नियुक्तियां देने एवं नई भर्तियां निकालने पर तेजी से कार्य करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद अब राज्य सरकार पहली वर्षगांठ के मौके पर मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव के दौरान सात विभागों के लगभग 25 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र देने की तैयारी कर रही है।

इसके साथ ही राज्य सरकार 48 हजार 593 चतुर्थ श्रेणी एवं समकक्ष पदों तथा 3 हजार 170 वाहन चालकों की भर्ती प्रक्रिया भी शीघ्र शुरू करने जा रही है।

बिहार के सपनों को पूरा कर रही हैं मेरी और नीतीश सरकार : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दरभंगा में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की रखी आधारशिला

प्रधानमंत्री ने 12,100 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास और किया लोकार्पण

दरभंगा/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि केंद्र में उनकी सरकार और बिहार में नीतीश कुमार की सरकार मिलकर इस प्रदेश के हर सपने को पूरा करने के लिए काम कर रही हैं। उन्होंने यहां यह भी कहा कि नीतीश कुमार बिहार में सुशासन लाए और 'जंगलराज' को समाप्त किया।

मोदी ने दरभंगा में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की आधारशिला रखने के बाद कहा, ''दिल्ली में केंद्र में मेरी सरकार और यहां बिहार में नीतीश जी की सरकार मिलकर बिहार के हर सपने को पूरा करने के लिए काम कर रही हैं। हमारी विकास और जन कल्याण योजनाओं का ज्यादा से ज्यादा लाभ बिहार के लोगों को मिले, यही हमारा प्रयास है।'' प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर राज्य में 12,100 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया।

बिहार के राज्यपाल राजेंद्र अर्लेकर और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मौजूदगी में मोदी ने कहा, ''नीतीश बाबू के नेतृत्व में बिहार में सुशासन का जो मॉडल विकसित करके दिखाया गया है, वह अद्भुत है। बिहार को 'जंगलराज' से मुक्ति दिलाने में उनकी भूमिका की जितनी सराहना की जाए, वह कम है।'' मोदी ने आरोप लगाया कि बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से पहले की सरकारों को कभी स्वास्थ्य ढांचे की फिक्र नहीं हुई और उन्होंने जनता से झूठे वादे किए थे, लेकिन नीतीश कुमार के सत्ता में आने के बाद राज्य के हालात में सुधार हुआ।

प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की 'डबल इंजन' की सरकार बिहार में विकास को गति देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि बिहार का तेज विकास, यहां बेहतर आधारभूत संरचना और यहां के छोटे किसानों एवं छोटे उद्योगों को प्रोत्साहन देने से ही संभव होने वाला है और राजग सरकार इसी 'रोडमैप' पर काम कर रही है।

मोदी ने कहा कि आज बिहार की पहचान यहां होने वाले अवसंरचना निर्माण, हवाईअड्डों और एक्सप्रेसवे से मजबूत हो रही है। उन्होंने कहा, ''हमारी सरकार देश की सेवा और लोगों के कल्याण के लिए हमेशा प्रतिबद्ध रही है।

मोदी ने कहा कि दरभंगा में एम्स का सपना साकार होने की तरफ एक बड़ा कदम उठाया गया है जिसके निर्माण से बिहार के स्वास्थ्य क्षेत्र में बहुत बड़ा परिवर्तन आएगा। उन्होंने कहा कि इससे मिथिला, कोसी और तिरहुत क्षेत्र के अलावा पश्चिम बंगाल और आसपास के कई क्षेत्रों के मरीजों के लिए सुविधा होगी। उन्होंने कहा कि नेपाल से आने वाले मरीज भी एम्स, दरभंगा में इलाज करा सकेंगे।

उप्र : 'एक दिन, एक परीक्षा' की मांग पर अड़े आंदोलनरत छात्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/भाषा। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) के 'पीसीएस प्री' और 'आरओ एआरओ' की परीक्षा दो दिन में संपन्न कराने के निर्णय के विरोध में छात्रों का धरना प्रदर्शन बुधवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। आंदोलन कर रहे छात्र प्रत्यूश सिंह ने बताया कि पिछले दो दिनों के मुकाबले आज छात्रों की संख्या कम है। हालांकि, आंदोलन कर रहे छात्र 'एक दिन, एक परीक्षा' की अपनी मांग को लेकर आंदोलन जारी रखेंगे।

आंदोलनकर्मी छात्र बुधवार सुबह से फिर से धरना प्रदर्शन में जुट गए और उन्होंने आयोग के अध्यक्ष संजय श्रीनेत के खिलाफ नारेबाजी की। मंगलवार को उप्र लोक सेवा आयोग ने एक बयान जारी कर कहा था, ''समय-समय पर प्रतियोगी छात्रों के आग्रह पर बदलते समय की जरूरतों को देखते हुए व्यवस्था/परीक्षा प्रणाली में सुधार किया जाता रहा है। अभ्यर्थियों की सुविधा के मद्देनजर पीसीएस की मुख्य परीक्षा से वैकल्पिक विषय हटाने का अभूतपूर्व निर्णय किया गया। इसी तरह से, अभ्यर्थियों के लंबे समय से 'स्केलिंग' हटाने की मांग पूरी की गई।'' उप्र लोक सेवा आयोग के सचिव अशोक कुमार ने मंगलवार को को बताया था, ''आयोग का दिशानिर्देश है कि सरकारी शिक्षण संस्थान को ही परीक्षा केंद्र बनाया जाए और केंद्र मुख्यालय से 10 किलोमीटर के दायरे में हो। इससे पूर्व जब पेपर लीक हुआ था तो इन्हीं छात्रों ने मांग उठाई थी कि निजी संस्थानों को परीक्षा केंद्र ना बनाया जाए।''

मुख्यमंत्री सोरेन का आरोप,

झारखंड की छवि खराब करने की पूरी कोशिश कर रही भाजपा

भाजपा ने आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि झामुमो नेता ने विधानसभा चुनाव में पहले ही मान ली है हार

रांची/भाषा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बुधवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) झूठे प्रचार के माध्यम से उनकी और राज्य की छवि खराब कर रही है। भाजपा ने सोरेन के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि झामुमो नेता ने विधानसभा चुनाव में पहले ही हार मान ली है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आरोप लगाया कि भाजपा राज्य में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) नीत गठबंधन सरकार के खिलाफ प्रचार करने के लिए विभिन्न सोशल मीडिया मंचों पर करोड़ों रुपये खर्च कर रही है और उसने 95,000 व्हाट्सएप ग्रुप बनाए हैं।

भाजपा पर निशाना साधते हुए सोरेन ने कहा, ''तानाशाहों के पास अरबों रुपये हो सकते हैं लेकिन मेरा मानना है कि अनुचित तरीकों से जीत हासिल करने के बजाय सिद्धांतों पर अड़े रहना बेहतर है।'' भाजपा ने कहा कि ये आरोप सोरेन की हताशा और निराशा को दर्शाते हैं। भाजपा की झारखंड इकाई के पूर्व अध्यक्ष और वरिष्ठ नेता दीपक प्रकाश ने कहा, सोरेन की पोस्ट उनकी हताशा और निराशा को दर्शाती है। उन्हें समझ आ गया है कि वह लड़ाई हार चुके हैं और निराशा में इस तरह की टिप्पणियां कर रहे हैं।

अवैध घुसपैठ मामले में ईडी ने दो बांग्लादेशी नागरिकों समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया

रांची/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने झारखंड में अवैध बांग्लादेशी घुसपैठ से जुड़े धन शोधन के एक मामले की जांच के सिलसिले में दो बांग्लादेशी नागरिकों समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है।

आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को बताया कि रोनी मंडल और समीर चौधरी बांग्लादेश के नागरिक हैं जबकि पिंटू हलदर भारतीय नागरिक है। मामले में पिंकी बासु मुखर्जी नामक एक भारतीय महिला को बुधवार को गिरफ्तार किया गया। सूत्रों ने बताया कि ऐसा संदेह है कि पहले तीन आरोपी दलाल हैं और उन्हें मंगलवार रात को भारत में मानव तस्करी के लिए बांग्लादेशी घुसपैठ मामले में पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि चारों को पीएमएलए के तहत हिरासत में लिया गया है। एजेंसी ने अपने आधिकारिक 'एक्स' खाते पर मंगलवार को एक बयान जारी कर कहा था कि उसने छापेमारी के दौरान फर्जी आधार कार्ड, जाली पासपोर्ट, अवैध हथियार, अचल संपत्ति के दस्तावेज, नकदी, आभूषण, आधार में जालसाजी के लिए इस्तेमाल किए गए प्रिंटिंग पेपर और मशीनें तथा खाली प्रोफार्मा जैसी ''आपत्तिजनक'' सामग्री बरामद की हैं।

महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने में भाजपा विफल: अखिलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बुधवार को कहा कि राज्य में भाजपा की मौजूदा सरकार में महिलाएं एवं बच्चियां सर्वाधिक अपमानित एवं असुरक्षित हैं और महिला सशक्तीकरण केवल एक नारा रह गया है। उन्होंने कहा कि महिला सुरक्षा को लेकर भाजपा सरकार के सारे दावे झूठे हैं। प्रदेश की नौ विधानसभा सीटों पर 20 नवंबर को उपचुनाव होने हैं और समाजवादी पार्टी इन सभी सीटों पर चुनाव लड़ रही है, जबकि भाजपा ने आठ सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े किए हैं और एक सीट पर उसकी सहयोगी राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) चुनाव लड़ रही है।

समाजवादी पार्टी की ओर से जारी बयान में अखिलेश यादव ने कहा कि महिलाओं के सशक्तीकरण और सुरक्षा के लिए भाजपा सरकार के पास कोई योजना नहीं है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों से स्पष्ट है कि देश में महिलाओं के साथ सबसे ज्यादा अपराध की घटनाएं उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार में हो रही हैं। भाजपा सरकार महिलाओं के खिलाफ अपराध रोकने में विफल है। अखिलेश ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार में 18 लाख से अधिक छात्र-छात्राओं को लैपटॉप का वितरण किया गया था ताकि उनके शैक्षणिक स्तर का उन्नयन हो सके। वहीं, भाजपा के घोषणा-पत्र में लैपटॉप के साथ वाईफाई सुविधा देने के जो सपने दिखाए गए थे वे सपने ही रहे। सपा प्रमुख ने कहा कि समाजवादी सरकार में 1.90 करोड़ रुपये के बजट से कक्षा एक से आठ तक के छात्र-छात्राओं को निःशुल्क पाठ्य पुस्तकें, यूनीफार्म की व्यवस्था के साथ इंटर तक की बेटियों को मुफ्त शिक्षा की भी व्यवस्था की गई थी।

झारखंड: मतदान से एक रात पहले लाभार्थियों को मिली योजना की धनराशि, भाजपा ने दर्ज कराई शिकायत

रांची/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की झारखंड इकाई ने हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली सरकार पर मतदान से एक रात पहले 'झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना' (जेएमएमएसवाई) के तहत महिला लाभार्थियों के खातों में कथित तौर पर धनराशि जमा कराने के लिए निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज कराई।

भाजपा ने हटिया विधानसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार अजय नाथ शाहदेव और रांची सीट से झामुमो प्रत्याशी महुआ माजी के खिलाफ भी आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) का उल्लंघन करने की शिकायत दर्ज कराई। भाजपा नेताओं के प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि उन्होंने 12 नवंबर की रात को मंईयां सम्मान योजना के तहत धनराशि जमा करने के लिए सरकार के खिलाफ आयोग से जांच और कार्रवाई की मांग की। प्रतिनिधियों ने कहा, ''हमने आयोग को बताया कि हर महीने की छठी या सात तारीख को लाभार्थियों के खातों में राशि जमा कराई जाती है लेकिन इस बार मतदान से एक रात पहले ही राशि जमा कर दी गई। हमने इस संबंध में जांच की मांग की साथ ही हमने इस संबंध में साक्ष्य भी प्रस्तुत किए हैं।''

झारखंड में भाजपा को दो तिहाई बहुमत मिलेगा : शिवराज चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को विश्वास जताया कि झारखंड में हो रहे विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को दो तिहाई बहुमत मिलेगा।

झारखंड विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 43 सीट के लिए बुधवार को मतदान हो रहा है। चौहान ने कहा कि लोग झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो)-कांग्रेस-राष्ट्रीय जनता दल (राजद) गठबंधन के 'भ्रष्ट' शासन को समाप्त करने के लिए भाजपा को वोट देंगे। चौहान झारखंड में भारतीय जनता पार्टी के विधानसभा चुनाव प्रभारी हैं। केंद्रीय कृषि मंत्री ने मध्यप्रदेश की बुधनी विधानसभा सीट के अंतर्गत अपने पैतृक गांव जैत में वोट डालने के बाद संवाददाताओं से कहा, ''मैं झारखंड पर लगातार नजर रख रहा हूं। जिस तरह से वहां मतदान हो रहा है, उससे लगता है कि पहले चरण के मतदान में भाजपा को दो तिहाई से अधिक बहुमत मिलेगा।'' उन्होंने कहा कि भाजपा समर्थक मतदाता बड़ी संख्या में मतदान करने के लिए आ रहे हैं। चौहान ने दावा किया, ''भाजपा समर्थक ही नहीं, बल्कि आम लोग भी सत्ता परिवर्तन चाहते हैं। झारखंड की जनता बांग्लादेशी घुसपैठियों का समर्थन करने वाले झामुमो, कांग्रेस और राजद के भ्रष्ट तथा बेईमान गठबंधन को हराएगी।'' उन्होंने कहा, लोगों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर भरोसा है। झारखंड में वे विकास तथा रोटी, बेटी और माटी की रक्षा के लिए भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को वोट दे रहे हैं।

बंगाल में शाम 5 बजे तक करीब 70 प्रतिशत मतदान

नैहाटी निर्वाचन क्षेत्र के पास तृणमूल कार्यकर्ता की हत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल उपचुनावों में छिटपुट हिंसा की घटनाएं हुईं, जिनमें नैहाटी विधानसभा क्षेत्र के पास भाटपारा में एक देसी बम हमला भी शामिल है जिसमें एक स्थानीय तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ता की मौत हो गई, जबकि छह निर्वाचन क्षेत्रों में शाम 5 बजे तक 69.29 प्रतिशत मतदान हुआ।

तृणमूल कांग्रेस के स्थानीय कार्यकर्ता अशोक शॉ की हत्या के बाद उपचुनाव के दौरान मतदाताओं को डराने-धमकाने के राजनीतिक आरोप लगे, जिसके बाद मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय ने घटना पर रिपोर्ट मांगी है।

इस घटना पर तत्काल राजनीतिक प्रतिक्रिया हुई और भाजपा नेता अर्जुन सिंह ने तृणमूल पर नैहाटी और अन्य निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाताओं में भय पैदा करने के लिए धमकाने की रणनीति अपनाने का आरोप लगाया। जगतदल विधानसभा सीट से स्थानीय तृणमूल विधायक सोमनाथ श्याम ने बयान देने से परहेज करते हुए दावा किया कि हमले की परिस्थितियों का पता लगाने के लिए जांच चल रही है।

निर्वाचन आयोग के सूत्रों के अनुसार, शाम 5 बजे तक तालडांगरा में 75.20 प्रतिशत, हरोआ में 73.95 प्रतिशत, मेदिनीपुर में 71.85 प्रतिशत, सिताई में 66.35 प्रतिशत, मदारीहाट में 64.14 और नैहाटी में 62.10 प्रतिशत मतदान हुआ। आयोग के अनुसार, करीब 80 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से ज्यादातर भाजपा की ओर से थीं।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और विपक्ष ने तृणमूल कार्यकर्ताओं पर विभिन्न क्षेत्रों, खासकर हरोआ, मदारीहाट, सिताई और तालडांगरा निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाताओं को डराने-धमकाने का आरोप लगाया है। राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी ने आरोपों को निराधार बताया है।

टमाटर, आलू, प्याज के दामों को लेकर कांग्रेस का पीएम पर निशाना, कहा- थाली से 'टॉप' नदारद

नई दिल्ली/भाषा। टमाटर, प्याज और आलू के अधिक मूल्यों को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर उनके एक पुराने वीडियो के माध्यम से निशाना साधते हुए कांग्रेस ने बुधवार को कहा कि मोदी की नीतियों की विफलता के कारण गरीब की थाली से 'टॉप' नदारद है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर मोदी का एक वीडियो साझा किया जिसमें वह भारतीय परिवारों में 'टॉप' (इन तीनों सब्जियों) के महत्व के बारे में बात कर रहे थे। उन्होंने टमाटर (टोमेटो का 'टी'), प्याज (ऑनियन का 'ओ') और आलू (पोटेटो का 'पी') के लिए 'टॉप' शब्द का इस्तेमाल किया गया।

रमेश ने कहा, ''यह कैसी 'टॉप' प्राथमिकता है प्रधानमंत्री जी? आपने जिनके दाम प्राथमिकता में सबसे ऊपर रखने की बात कही थी उनके दाम आसमान छूते जा रहे हैं। इनकी वजह से सब्जियों की महंगाई दर 42% तक पहुंच गई है। टमाटर की महंगाई दर 161.3%, आलू की महंगाई दर 64.9% और प्याज की 51.8% है। आपकी नीतियों की नाकामी की वजह से 'टॉप' गरीब की थाली से गायब हो रहा है।'' कांग्रेस नेता ने खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ने के कारण महंगाई में वृद्धि को लेकर चिंता व्यक्त की थी और सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि ऐसी स्थिति में वह खाद्य पदार्थों की कीमतों को मुद्रास्फीति के आकलन से बाहर कर सकती है।

गंभीर जल्दी चिढ़ जाते हैं, कोहली पर कभी कटाक्ष नहीं किया : रिकी पोंटिंग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेलबर्न/भाषा। गौतम गंभीर के कटाक्ष का जवाब देते हुए ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने बुधवार को कहा कि भारत के मुख्य कोच जल्दी चिढ़ जाते हैं और उन्होंने साथ ही इस बात पर जोर दिया कि विराट कोहली पर उनकी टिप्पणियों को इस स्टार बल्लेबाज पर निशाना साधने के रूप में नहीं देखना चाहिए क्योंकि वह स्वयं भी लंबे समय से खराब फॉर्म को लेकर चिंतित होंगे।

पोंटिंग ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को दिए साक्षात्कार में कहा था कि कोहली का खराब फॉर्म चिंता का विषय होगा और किसी भी अन्य अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी को पांच साल में सिर्फ दो शतक के साथ टेस्ट टीम में अपनी जगह बनाए रखने के लिए संघर्ष करना पड़ेगा।

हालांकि उन्होंने कोहली की वापसी करने की क्षमता की भी सराहना की थी।

गंभीर से जब पोंटिंग की टिप्पणियों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज को भारतीय क्रिकेट के बारे में चिंतित होने की जरूरत नहीं है।

गंभीर की टिप्पणियों के बारे में पूछे जाने पर पोंटिंग ने '7न्यूज' से कहा, ''मैं प्रतिक्रिया पढ़कर हैरान था लेकिन कोच गौतम गंभीर को जानता हूं... वह काफी जल्दी चिढ़ जाते हैं इसलिए मुझे आश्चर्य नहीं है कि उन्होंने पलटवार किया।'' उन्होंने कहा, ''मुझे उनसे ऐसी उम्मीद नहीं है। हमारा एक-दूसरे के खिलाफ काफी इतिहास है। मैंने उन्हें दिल्ली कैपिटल्स में कोचिंग दी है और वह काफी चुलबुले स्वभाव के हैं।''

अपने समय के सबसे महान बल्लेबाजों में से एक पोंटिंग ने समझाया कि उनका क्या मतलब था और उन्हें लगा कि बातों को संदर्भ से बाहर ले जाया गया। उन्होंने कहा, ''यह किसी भी तरह से उन (कोहली पर) पर कटाक्ष नहीं था। मैंने असल में इसके बाद कहा था कि उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में अच्छा प्रदर्शन किया है और वह यहां वापसी करने के लिए उत्सुक होंगे... अगर आप विराट से पूछेंगे तो मुझे यकीन है कि वह थोड़ा चिंतित होंगे कि वह पिछले वर्षों की तरह शतक नहीं बना पाए हैं।''

निजी फर्मों को चोरी-छिपे डीएपी खाद बेचने के आरोप में आपूर्तिकर्ता पर मुकदमा

शाहजहांपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में खाद की किल्लत के बीच 16 निजी फर्मों को चोरी-छिपे डीएपी उर्वरक बेचने हेतु देने के आरोप में खाद आपूर्तिकर्ता के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने बुधवार को बताया कि हिंडालको कंपनी द्वारा भेजी गई 235 मीट्रिक टन डीएपी खाद को बरेली से शाहजहांपुर तक पहुंचाने की जिम्मेदारी एक निजी फर्म को दी गई थी। मगर फर्म ने प्रशासन द्वारा खाद के आवंटन के लिए बनाई गई पर्यवेक्षण समिति को सूचना दिये बिना खाद को 16 निजी फर्मों को बिक्री के लिये दे दी।

सिंह ने बताया कि प्रशासन द्वारा बनाई गई समिति दुकानदारों द्वारा निर्धारित मूल्य पर खाद बेचने और कालाबाजारी रोकने के साथ ही किसानों के खेत के क्षेत्रफल के हिसाब से उसे खाद उपलब्ध कराने का काम करती है।

जिलाधिकारी ने बताया कि शाहजहांपुर जिले में डीएपी खाद की काफी किल्लत है। ऐसे में पर्यवेक्षक समिति को बताए बगैर आवंटित खाद को चोरी-छिपे बेचने के लिये दे दी गयी। इसके बाद उनके निर्देश पर जिला कृषि अधिकारी विकास किशोर शर्मा की ओर से डीएपी खाद की आपूर्ति करने वाली फर्म तथा 16 विक्रेताओं के विरुद्ध रोजा थाने में मंगलवार को रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

ऑस्ट्रेलियाई मीडिया का दावा, भारतीय टीम करना चाहती थी 'बंद दरवाजों' के पीछे अभ्यास, बीसीसीआई का इनकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पर्थ/भाषा। भारतीय टीम प्रबंधन ने यहां के वाका मैदान पर भारत और भारत ए के खिलाड़ियों से बनी टीमों के बीच अभ्यास मैच के दौरान प्रशंसकों को शुक्रवार से रविवार तक के अपने सत्र को देखने की अनुमति देने फैसला किया है। यह ऑस्ट्रेलियाई मीडिया की उस रिपोर्ट के विपरीत है जिसमें दावा किया गया है कि भारतीय टीम का अभ्यास सत्र प्रशंसकों के लिए बंद रहेगा।

'द ऑस्ट्रेलियन' अखबार ने रिपोर्ट में दावा किया था कि वाका स्टेडियम के नवीनीकरण के काम मे लगे निर्माण श्रमिकों के दल को उनकी कंपनी के सीईओ द्वारा भारतीय टीम के नेट सत्र के दौरान फोटो खिंचने या ड्रोन के इस्तेमाल के लिए मना किया गया है। अखबार के मुताबिक, '' भारत अभ्यास सत्र को गुप्त रखना चाह रहा है। इसका खुलासा वाका के नवीनीकरण में शामिल श्रमिकों को जारी ईमेल के लीक होने से होता है।'' रिपोर्ट के मुताबिक, ''नई सुविधा का निर्माण कर रहे 'एडीसीओ कंस्ट्रक्शन' के एडम सॉजियर द्वारा भेजी ई-मेल के अनुसार भारतीय टीम के अभ्यास सत्र को देखने से प्रशंसकों को रोक दिया गया है। परिसर में काम करने वालों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि वे भी टीम के अभ्यास सत्र की ओर ताका-झांकी नहीं करें।''

राहुल द्रविड़, विलियमसन को देखकर नजरिया बदलने से मदद मिली : के एल राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय बल्लेबाज लोकेश राहुल ने खुलासा किया कि उन्होंने अपने करियर की शुरुआत में बड़े शॉट लगाने की अपनी क्षमता साबित करने के लिए 'बहुत मेहनत' की लेकिन दिग्गज राहुल द्रविड़ और केन विलियमसन को अपने स्वाभाविक खेल पर कायम रहने के बावजूद सफेद गेंद के प्रारूपों में सफल होते हुए देखकर उनका नजरिया बदल गया और एक खिलाड़ी के रूप में उन्हें विकसित होने में मदद मिली।

राहुल ने स्वीकार किया कि अपने युवा दिनों में वह अक्सर कुछ ऐसा बनने की कोशिश करते थे जो वह नहीं थे। राहुल ने 'स्टार स्पोर्ट्स' को दिए विशेष साक्षात्कार में कहा, ''मुझे लगता है कि मैं एक व्यक्ति और एक खिलाड़ी के रूप में विकसित हुआ हूं। एक युवा खिलाड़ी के रूप में मैंने वह बनने की बहुत कोशिश की जो मैं नहीं था, बड़े छक्के मारने की कोशिश की ताकि मैं साबित कर सकूं कि मैं ऐसा कर सकता हूं।'' उन्होंने कहा, ''यह स्वाभाविक नहीं था। मेरे लिए जो बदलाव आया वह 2011 या 2012 के आसपास आईपीएल सत्र में से एक में राहुल द्रविड़ को देखना था। वह अपनी तकनीक पर कायम रहे और वह सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक थे। उन्हें अपने खेल में बदलाव किए बिना एकदिवसीय और टी20 क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करते हुए देखकर मेरे अंदर कुछ बदलाव आया।'' भारत के लिए 53 टेस्ट, 77 एकदिवसीय और 72 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले 32 वर्षीय राहुल ने सनराइजर्स से जुड़े होने के दौरान आधुनिक क्रिकेट के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक विलियमसन के साथ ड्रेसिंग रूम में समय बिताया। विलियमसन और द्रविड़ दोनों को देखकर राहुल को अहसास हुआ कि वह अपने स्वाभाविक खेल पर कायम रहकर भी टी20 क्रिकेट में सफल हो सकते हैं। उन्होंने कहा, ''मैंने सनराइजर्स में केन विलियमसन के साथ भी समय बिताया। उन्हें ज्यादा मौके नहीं मिले लेकिन फिर वह वापस गए और न्यूजीलैंड के लिए सफेद गेंद के क्रिकेट में शानदार पारियां खेलीं।'' विलियमसन ने कहा, ''द्रविड़ और विलियमसन को देखकर मुझे अहसास हुआ कि मुझे इतना कड़ा प्रयास करने की जरूरत नहीं है। मेरे पास कुछ ऐसे गुण हैं जिनका इस्तेमाल मैं टी20 क्रिकेट में सफलता पाने के लिए कर सकता हूं।''

सुविचार

सिर्फ वो लोग आपकी परवाह करते हैं, जो आपको तब भी सुन सकते है, जब आप चुप होते है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कैसे सशक्त होंगे गांव?

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने यह कहकर देश की महत्त्वपूर्ण आवश्यकता को रेखांकित किया है कि 'भारत तभी प्रगति करेगा, जब उसके गांव सशक्त होंगे।' एक तरफ गांवों से पलायन हो रहा है, दूसरी तरफ शहरों पर आबादी का दबाव बढ़ता जा रहा है, जिससे कई गंभीर समस्याएं पैदा हो गई हैं। हम दशकों से सुनते आए हैं कि देश के 'विकास' के लिए गांवों का 'विकास' होना चाहिए। सबसे पहले तो यह तय करना होगा- 'विकास' क्या है? प्राय: बड़ी-बड़ी इमारतों, चमचमाती सड़कों और महंगी गाड़ियों की आवाजाही को 'विकास' मान लिया जाता है। गांवों का विकास करने के लिए उन्हें शहर बनाने की जरूरत नहीं है। हां, वहां सुविधाएं बढ़ानी चाहिएं, नई तकनीक का प्रचार-प्रसार करना चाहिए, लोगों को जागरूक करना चाहिए। आज कई शहरों का इतना बेतरतीब फैलाव हो चुका है कि गांव और शहर का अंतर ही समाप्त हो गया। अवैज्ञानिक तरीके से बसावट ने शहरों के साथ गांवों के लिए भी कई परेशानियां खड़ी कर दीं। मानसून में कई मकान सिर्फ इस वजह से बाढ़ की चपेट में आ जाते हैं, क्योंकि उन्हें बनाने से पहले भविष्य में पानी के बहाव आदि के बारे में सोचा ही नहीं था! गांवों में युवाओं का खेती से मोहभंग होता जा रहा है। शायद ही कोई किसान होगा, जो यह चाहेगा कि उसकी संतानें खेती करें। ज्यादातर का एक ही सपना है कि 'गांव छोड़कर शहर जाएं, वहां सरकारी नौकरी हासिल करें और भविष्य में वहीं आशियाना बना लें। क्या रखा है गांव में?' राजनीतिक दल गांवों की तस्वीर बदलने के वादे तो खूब करते हैं, लेकिन कितने नेता हैं, जो यह चाहेंगे कि उनके बच्चे गांव के सरकारी स्कूलों में पढ़ाई करें और भविष्य में वहीं रहकर कामकाज करें?

> **ऐसी कई कहानियां हैं, जिनसे प्रेरणा लेकर हमारे गांवों में व्यवसाय शुरू करें तो कुछ ही महीनों में अच्छी आमदनी संभव है। इनमें बहुत भारी-भरकम निवेश की जरूरत नहीं होती। इच्छाशक्ति और हुनर के दम पर की गई छोटी शुरुआत भी भविष्य में बड़ा फायदा दे सकती है। इससे गांव सशक्त होंगे, देश सशक्त होगा।**

ऐसा नहीं है कि गांवों में लोग सिर्फ खेती और पशुपालन करना जानते हैं। ये दोनों काम भी बहुत लोगों को रोजगार देते हैं। अगर वैज्ञानिक तरीके से उचित प्रशिक्षण दिया जाए, बाजार उपलब्ध कराया जाए तो गांवों में रोजगार के अनेक अवसर पैदा हो सकते हैं। उदाहरण के लिए, छोटे कस्बों से लेकर महानगरों तक, शुद्ध घी की मांग हमेशा रहती है। इसी तरह, अच्छी गुणवत्ता का शहद, जिसकी कीमत थोड़ी ज्यादा हो, तो भी लोग उसे खरीदना चाहते हैं। हमारे कई गांवों में इन दोनों उत्पादों के लिए बेहतरीन संभावनाएं हैं। आज यूरोप के कई शहरों से लोग गांवों में रहने जा रहे हैं। वहां वे लैपटॉप के जरिए दफ्तर का काम भी करते हैं। इसके अलावा गांव आधारित कोई लघु उद्योग चलाते हैं। उन्हें सोशल मीडिया पर खूब ग्राहक मिल जाते हैं। एक महिला, जो अपना यूट्यूब चैनल चलाती हैं, गांव में रहकर हाथ से बुने हुए ऊनी कपड़ों का व्यवसाय करती हैं। उनके हाथ का हुनर लोगों को अचंभित कर देता है। उन्हें दूर-दूर से ऑर्डर मिलते हैं, जिसके बाद वे स्वेटर, टोपी, दस्ताने आदि बुनती हैं और निर्धारित अवधि में तैयार कर भेज देती हैं। इसी तरह एक महिला विभिन्न तरह के अचार बनाती हैं। वे इससे संबंधित वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट करती हैं। वे अचार के स्वाद के साथ शुद्धता की गारंटी देती हैं। शहरों में उनके अचार की धूम है। लोग उन्हें खुशी-खुशी ज्यादा रकम देने के लिए भी तैयार हो जाते हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि इससे उनकी सेहत को ही फायदा होगा। ऐसी कई कहानियां हैं, जिनसे प्रेरणा लेकर हमारे गांवों में व्यवसाय शुरू करें तो कुछ ही महीनों में अच्छी आमदनी संभव है। इनमें बहुत भारी-भरकम निवेश की जरूरत नहीं होती। इच्छाशक्ति और हुनर के दम पर की गई छोटी शुरुआत भी भविष्य में बड़ा फायदा दे सकती है। इससे गांव सशक्त होंगे, देश सशक्त होगा।

ट्वीटर टॉक

आयुष्मान भारत योजना' से देश में करीब चार करोड़ लोगों का इलाज हो चुका है। अगर आयुष्मान भारत योजना न होती, तो इनमें से ज्यादातर लोग अस्पताल में भर्ती ही नहीं हो पाते। आयुष्मान योजना से करोड़ों परिवारों को करीब सवा लाख करोड़ रुपये की बचत हुई है।

-नरेन्द्र मोदी

आज राजस्थान की सात विधानसभाओं सहित कई राज्यों में उपचुनाव के लिए मतदान है। इसके साथ ही वायनाड लोकसभा क्षेत्र के उपचुनाव एवं झारखंड में विधानसभा चुनाव के प्रथम चरण के लिए भी आज मतदान किया जा रहा है।

-सचिन पायलट

आज जयपुर के दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन, फालना रेलवे स्टेशन एवं बाड़मेर रेलवे स्टेशन पर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र का शुभारंभ किया।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

अनमोल पल

एक बार गुरु असीमानंद से उनके शिष्य ने प्रश्न किया, 'गुरुदेव, एक पल के विचार का क्या महत्व है?' गुरुदेव ने कहा, 'वत्स, एक पल में कितनी ही बार बरसों की साधना और तप की झलक अभिव्यक्त हो जाती है। एक पल में मीरा ने तय कर लिया था कि श्रीकृष्ण को जीवन समर्पित करना है। एक पल में सीता ने मन ही मन श्रीराम का वरण किया और शिव-धनुष खुद श्रीराम के हाथों में आ जाने को बेचैन हुआ। एक पल में सिद्धार्थ ने महल त्याग कर बुद्ध बनने का संकल्प लिया।' एकटक सुन रहे शिष्य ने असीम संतोष का अनुभव किया। वह भली-भांति समझ गया कि एक पल की उमंग का वास्तव में कोई पारावार नहीं है।

सामयिक

बढ़ते मधुमेह को नियंत्रित करने की वैश्विक चुनौती

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

डायबिटीज यानी मधुमेह दुनियाभर में तेजी से बढ़ती ऐसी बीमारी है जो अन्य अनेक बीमारियों एवं शरीर की जर्जरता का कारण बनती है, जिसका शिकार हर उम्र के लोगों को देखा जा रहा है। जिन लोगों का शुगर लेवल अक्सर बढ़ा हुआ रहता है उनमें आंखों, किडनी, तंत्रिकाओं, शरीर की सुस्ती और हृदय से संबंधित कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं। वैश्विक स्तर पर बढ़ती इस गंभीर और क्रोनिक बीमारी के बारे में लोगों को जागरूक करने, इससे बचाव को लेकर लोगों को शिक्षित करने के उद्देश्य से हर साल 14 नवंबर को विश्व मधुमेह दिवस मनाया जाता है। आंकड़ों से पता चलता है कि डायबिटीज के मरीज साल-दर साल बढ़ते जा रहे हैं। एक अनुमान के मुताबिक दुनियाभर में 53 करोड़ से अधिक लोग इस बीमारी के शिकार हैं और अगले दो दशकों में रोगियों की संख्या 80 करोड़ के आंकड़े को छू सकती है। विश्व मधुमेह दिवस दुनिया की गंभीरतम बीमारियों में से एक होने की वजह से 160 से अधिक देशों में अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुका है और अपने जागरूकता अभियानों, उपचार तक बेहतर पहुंच की वकालत और मधुमेह से निपटने के लिए गुणवत्तापूर्ण सूचनात्मक सामग्री के माध्यम से 100 करोड़ से अधिक लोगों के जीवन को प्रभावित कर रहा है।

इस वर्ष, इस दिवस की थीम है 'बाधाओं को तोड़ना, अंतरालों को पाटना'। यह थीम लोगों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर मधुमेह के प्रभाव पर प्रकाश डालती है और मधुमेह प्रबंधन-नियंत्रण-जागरूकता के महत्व पर भी जोर देती है और यह बताती है कि इसके लिये संतुलित, योगमय एवं गुणवत्ता जीवन कैसे इस बीमारी से लड़ने की शक्ति देती है। दरअसल, विश्व मधुमेह दिवस को 14 नवंबर को मनाने का मुख्य उद्देश्य सर फ्रेडरिक बैंटिंग को याद करना था। 1992 में सर फ्रेडरिक बैंटिंग ने चार्ल्स बेस्ट के साथ मिलकर इंसुलिन की खोज की थी। अंतर्राष्ट्रीय मधुमेह फाउंडेशन (आईडीएफ) के अनुसार, 2021 में मधुमेह के कारण 67 लाख लोगों की मृत्यु हुई और अनुमान है कि उसी वर्ष 53.7 करोड़ (10 में से 1) लोग इस बीमारी के साथ जी रहे थे और अनुमान है कि यह संख्या 2030 में बढ़कर 64.3 करोड़ और 2045 तक 78.3 करोड़ हो जाएगी। यह तथ्य सामने आया है कि मधुमेह से प्रभावित 2 वयस्कों में से 1 यानी 44 प्रतिशत, लगभग 24 करोड़ लोग, अभी तक निदान नहीं करा पाये हैं, उनमें से अधिकांश टाइप 2 मधुमेह से पीड़ित हैं, जिसे कुछ जीवनशैली में बदलाव, इच्छाशक्ति, योग-साधना और स्वस्थ आहार आदतों से रोका जा सकता है।

डायबिटीज के होने एवं पनपने के अनेक कारण हैं, जिनमें सबसे बड़ा कारक फैमिली हिस्ट्री को माना जाता है। यानी कि यदि माता-पिता या भाई-बहन को टाइप-2 डायबिटीज है तो आपको भी मधुमेह होने का खतरा बढ़ जाता है। अधिक वजन या मोटापा डायबिटीज रोग के लिए एक मुख्य जोखिम है। अध्ययनों से पता चलता है कि मुख्यरूप से पेट पर फैट जमा होने से आपमें डायबिटीज होने का खतरा बढ़ जाता है। शारीरिक गतिविधि जैसे नियमित रूप से योग-व्यायाम वजन और खेलकूद से वजन को नियंत्रित करने में मदद करती है और इससे ब्लड शुगर के स्तर को कंट्रोल में रखा जा सकता है। मधुमेह से बचे रहने के लिए रोजाना कम से कम 30 मिनट तक व्यायाम जरूर करें। टाइप-2 डायबिटीज होने का जोखिम उन लोगों में अधिक होता है, जिन्हें गर्भावस्था के दौरान मधुमेह का पता चलता है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ इस अवधि में शुगर के स्तर को कंट्रोल में रखने की सलाह देते हैं। गर्भावधि में मधुमेह के कारण ब्लड शुगर का स्तर बढ़ा रहता है जिसका असर गर्भवती और बच्चे दोनों की सेहत पर देखा जाता है।

डॉक्टर बताते हैं, भले ही दुनियाभर में सबसे ज्यादा मरीज टाइप-2 डायबिटीज के देखे जाते रहे हैं पर मधुमेह चार प्रकार का होता है। इसे उम्र बढ़ने के साथ होने वाली बीमारी समझना या युवावस्था में शुगर की समस्या को अनदेखा करना आपके लिए दिक्कतें बढ़ाने वाला हो सकती है। बढ़े रहने वाले शुगर लेवल का असर हृदय और आंखों की सेहत पर भी पड़ सकता है, इसलिए डायबिटीज को हल्के में लेने की भूल नहीं की जानी चाहिए। डायबिटीज के मरीजों को अपने खाने पीने के अलावा नींद का भी ध्यान रखने की जरूरत होती है। कम नींद के कारण ब्लड शुगर लेवल में उतार-चढ़ाव हो सकता है। भोजन और एक्सरसाइज के अलावा नींद भी शरीर के लिए उतनी ही जरूरी होती है। नींद पूरी न होने से शरीर सुस्त हो जाता है और तनाव भी बढ़ता है। ऐसे में कार्टिसोल हार्मोन बढ़ने लगता है जो ब्लड शुगर लेवल को बढ़ा देता है। शरीर में जब शुगर का लेवल बढ़ता या घटता है तो नींद से जुड़ी समस्याएं होने लगती है। खासतौर पर टाइप 2 डायबिटीज वाले लोगों को हमेशा पर्याप्त नींद लेनी चाहिए। यदि आपको देर रात तक जागने की आदत है या फिर आप देर रात तक जागकर काम करते हैं तो आपकी यह आदत आप पर भारी पड़ सकती है। अनियंत्रित मधुमेह हृदय संबंधी समस्याओं, तंत्रिका क्षति, गुर्दे की क्षति, पैर की क्षति, त्वचा संक्रमण, स्तंभन दोष, अवसाद, दंत समस्याओं जैसी घातक जटिलताओं को जन्म दे सकता है। चिकित्सा-विज्ञान की अपूर्व प्रगति के बावजूद मधुमेह जैसी जटिल एवं असाध्य बीमारी का राक्षसी-पंजा नियंत्रण से बाहर है, इसलिये व्यक्ति को खुद को खुद के प्रति जागरूक होना होगा।

मधुमेह का नियंत्रित करने के लिये योग-ध्यान-साधना-प्रातःभ्रमण की महत्वपूर्ण भूमिका है। वैज्ञानिक डॉ. घियोपोर ने बहुत पहले अपने अनुसंधान में बताया कि ध्यान एवं योग करने वाले व्यक्तियों की साइकोलॉजी में असाधारण रूप से परिवर्तन होता है। ऐसे व्यक्तियों में घबराहट, उत्तेजना, मानसिक तनाव, उग्रता, मनोकायिक बीमारियां, स्वार्थपरता और विकारों में कमी पाई गयी हैं तथा आत्मविश्वास, सहनशक्ति, स्थिरता, कार्यदक्षता, विनोदप्रियता, एकाग्रता आदि गुणों में वृद्धि देखी गयी है। ये ध्यान-साधना एवं योग में प्रत्यक्ष लाभ अनुभूत किये गये हैं। इसीलिये मधुमेह को परास्त करने के लिये इन गुणों युक्त जीवनशैली को अपनाया जाना चाहिए। सम्पूर्ण आस्था एवं विश्वास के साथ जीवनरूपी प्रयोगशाला में इसे प्रायोगिक रूप देकर जीवन में मधुमेह रूपी-राक्षस को निस्तेज करके जीवन में आनन्द का अवतरण किया जा सकता है। अंतर्राष्ट्रीय मधुमेह फाउंडेशन के अनुसार, यह अनुमान है कि लगभग 54.1 करोड़ वयस्कों को टाइप 2 मधुमेह विकसित होने का खतरा है, जो कि दुनिया भर में सबसे बड़ी चिंता का विषय बन गया है, ताकि जागरूकता कार्यक्रमों और गुणवत्ता वाले मधुमेह शैक्षिक प्लेटफार्मों को बढ़ावा देकर इस जोखिम को कम किया जाना चाहिए। हम देखते है कि पुरानी पीढ़ी के लोग जीवन के आठवें या नौवें दशक में भी स्वस्थ एवं स्वावलम्बी है। गांवों की स्थिति भी काफी सुखद है, मधुमेह रोगियों की संख्या वहां शहरों की अपेक्षा काफी कम है। इसका कारण है सहज, प्रकृतिमय और चिन्तामुक्त जीवन, शुद्ध वातावरण, शुद्ध हवा-पानी, सात्विक-संतुलित आहार और भरपूर मेहनत। महानगरों की भाग-दौड़ भरी जिन्दगी में आदमी मात्र मशीन बनकर रह गया है।

मंथन

बच्चों के प्रति जिम्मेदारियों का निर्वहन करे समाज

योगेश कुमार गोयल
फोन : 9416740584

देश में प्रतिवर्ष 14 नवम्बर को 'बाल दिवस' मनाया जाता है। सही मायनों में बाल दिवस की शुरुआत किए जाने का मूल उद्देश्य बच्चों की जरूरतों को पहचानना, उनके अधिकारों की रक्षा करना और उनके शोषण को रोकना है ताकि बच्चों का समुचित विकास हो सके। बाल दिवस का अवसर हो और बच्चों की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा न हो, यह मासूम बच्चों के साथ नाइंसाफी ही होगी। हालांकि जब भी हम बच्चों के बारे में कोई कल्पना करते हैं तो सामान्य रूप से एक हंसते-खिलखिलाते बच्चे का चित्र हमारे मन-मस्तिष्क में उभरता है लेकिन कुछ समय से बच्चों की यह हंसी, खिलखिलाहट और चुलबुलापन भारी-भरकम स्कूली बस्तों के बोझ तले दबता जा रहा है। पहले बच्चों का अधिकांश समय आउटडोर खेलों और गतिविधियों में ही बीतता था, हमउम्र बच्चों के बीच खेलकर उनका मानसिक एवं शारीरिक विकास भी तेजी से होता था लेकिन अब बच्चों के खेल घर की चारदीवारी में ही सिमटकर रह गए हैं। कोरोना महामारी के कारण लंबे समय तक बंद रहे स्कूलों ने तो बच्चों के मन-मस्तिष्क पर

काफी बुरा प्रभाव डाला। ऑनलाइन पढ़ाई के कारण अधिकांश बच्चे उस दौरान घर की चारदीवारी में कैद होने के कारण मोबाइल फोन इत्यादि इलैक्ट्रॉनिक गैजेट्स के आदी हो गए। नतीजा, इंटरनेट पर ऊलजलूल कार्यक्रम देखकर और हिंसात्मक गेम खेलकर बच्चों में हिंसात्मक व्यवहार और आक्रामकता बढ़ रही है तथा तरह-तरह की बीमारियां भी बचपन में ही बच्चों को अपनी चपेट में लेने लगी हैं।

गहन चिंतन का विषय है कि हम और हमारा समाज भी बच्चों के प्रति सही तरीके से अपनी भूमिका का निर्वहन नहीं कर पा रहे हैं। बच्चों का मन बेहद कोमल और सरल होता है, जो प्रायः निस्वार्थ भाव से किसी की भी मदद करने को तैयार रहते हैं। हालांकि बच्चों को हम बचपन से ही ऐसी सीख देने का भरसक प्रयास करते हैं कि वे जीवन में एक अच्छे इंसान बनें लेकिन कई बार हम स्वयं ही अपनी कार्यशैली से उनके समक्ष अच्छा आदर्श स्थापित करने में विफल रहते हैं। वास्तविकता यही है कि बड़ों के मुकाबले बच्चों का मन इतना कोमल होता है कि वे किसी भी बात का दिल से बुरा नहीं मानते और कई मामलों में तो कुछ बच्चे ही अपने कारनामों से बड़ों को भी जीवन में बहुत कुछ सीखा जाते हैं। सही मायनों में हम बच्चों से ईमानदारी, छोटी-छोटी बातों में खुशियां ढूंढ़ना, किसी का दिल नहीं दुखाना, दिल में कोई खोट न रखकर दिल खोलकर हंसना, निस्वार्थ भाव से दूसरों की मदद करना, लग्न और मेहनत से जीवन में बड़े से बड़ा मुकाम हासिल करना जैसी बातें सीख सकते हैं। व्यस्कों को जहां प्रसन्न रहने के लिए किसी कारण की आवश्यकता होती है, वहीं बच्चों को दुखी होने के लिए एक कारण की जरूरत होती है लेकिन चिंता की बात यही है कि अब समाज बच्चों के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन सही प्रकार से नहीं कर पा रहा है।

स्तरीय बाल साहित्य की कमी के भयावह दुष्परिणाम बच्चों में बड़ों के प्रति सम्मान की कम होती भावना और हिंसा की प्रवृत्ति बढ़ते जाने के रूप में हमारे सामने आने भी लगे हैं। छोटे पर्दे पर प्रसारित हो रहे कार्टून चैनलों की बात करें तो अधिकांश कार्टून चैनल की कहानियां ऐसी होती हैं, जिनसे बच्चों को कोई अच्छी सीख मिलने के बजाय उनमें आक्रामकता की भावना ही विकसित होती है। आज के बच्चे ही कल के भारत का निर्माण करेंगे और हम जितने बेहतर तरीके से उनकी देखभाल करेंगे, राष्ट्र निर्माण भी उतना ही बेहतर होगा, इसलिए यह समाज का बहुत बड़ा दायित्व है कि वह बच्चों के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का सही तरीके से निर्वहन करे।

नजरिया

अलग प्रदेशों की मांग से क्या पाकिस्तान के टुकड़े होंगे?

अशोक भाटिया
मोबाइल : 9221232130

पाकिस्तान में अलग-अलग देशों की लगातार मांग बढ़ रही है। पाकिस्तान के टूटने की शुरुआत साल 1971 में हो गई थी, जब भारत की मदद से बांग्लादेश बना। इसके बनने के पीछे भी 24 सालों का असंतोष था। उसके बाद सिंधुदेश की मांग व बलूचिस्तान की मांग ने पाकिस्तान के नाक में दम कर रखा है। पहले बात करें सिंधुदेश की मांग की तो इसको लेकर हालिया हुई रैली में प्रदर्शनकारियों के हाथों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई विश्व के कई बड़े नेताओं की तस्वीरें नजर आईं। प्रदर्शनकारियों ने सिंध प्रांत को अलग देश बनाने की मांग के मामले में विश्व के नेताओं से दखल देने की अपील की है।सिंधु देश की मांग की कहानी 1947 से जुड़ी है। भारत को आजादी मिलने के बाद सिंधु क्षेत्र पाकिस्तान में चला गया और पाकिस्तान के चार प्रांतों में से एक बन गया। अलग सिंधु देश की मांग 1967 से शुरू हुई जब पाकिस्तान सरकार ने यहां के निवासियों के ऊपर उर्दू भाषा थोप दी। यहां के लोगों ने इसका विरोध किया और इसके फलस्वरूप सिंधी अस्मिता का जन्म हुआ। इन्होंने अपनी भाषा और संस्कृति की दुहाई दी और लोगों को एकजुट किया। इस मुहिम में सिंधी हिन्दू और सिंधी मुसलमान दोनों शामिल हुए। 'सिंधु देश' जिसका शाब्दिक अर्थ होता है सिंधियों के लिए अलग देश। सिंधु देश एक विचार है जो पाकिस्तान के सिंध प्रांत में बसे और दुनिया भर में फैले सिंधियों का एक सपना है। ये सिंधी दुनिया दूसरे एथनिक समुदायों की तरह अपने लिए एक अलग होमलैंड की मांग करते आ रहे हैं। जैसे कुर्द अपने लिए अलग देश की मांग करते हैं। यहूदी समुदाय के लोगों ने इजरायल नाम का अपना देश बनाया है। उसी तरह सिंधी पाकिस्तान के अंदर एक निश्चित भूभाग में अपने लिए एक स्वतंत्र और सार्वभौम मातृभूमि चाहते हैं।

भारत से अलग होकर 1947 में बने पाकिस्तान के लिए समस्याएं कभी खत्म होने का नाम नहीं लेती हैं। दुनियाभर के कर्ज में डूबे पाकिस्तान में अगर आपको आने वाले कुछ वर्षों में गृहयुद्ध की स्थिति बनती दिखाई दे, तो चौंकने वाली बात नहीं होगी। उर्दू को पाकिस्तान की सरकारी भाषा बनाने की घोषणा के साथ ही पाकिस्तान में अलगाववाद के बीज पनपने लगे थे। लोगों पर जबरदस्ती उर्दू भाषा थोपी गई। बांग्लाभाषी बहुल पूर्वी पाकिस्तान इसी फैसले के चलते अब अलग देश बनकर बांग्लादेश के रूप में आपके सामने है। वहीं, पाकिस्तान में अगस्त, 1947 के बाद से अब तक बनी सभी सरकारों ने मानवाधिकारों को एक अलग खूंटी पर टांग दिया। बात पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की हो या बलूचिस्तान या फिर सिंधु प्रांत की। पाकिस्तानी सरकारों ने इन सभी जगहों से उठने वाली आवाजों का वर्षों से दमन किया है। पाकिस्तानी फौज के बलूचिस्तान में किए जा रहे अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाने वाली एक्टिविस्ट करीमा बलोच की कनाडा में हुई हत्या इसका एक ताजा उदाहरण है।

फिलहाल पाकिस्तान के सिंध प्रांत में सबसे ज्यादा हिंदू आबादी रहती है। पाकिस्तान की कुल हिंदू आबादी का करीब 95 फीसदी सिंध प्रांत में हैं। पाकिस्तान के उत्पीड़न से त्रस्त इन लोगों ने अब वैश्विक नेताओं से गुहार लगाई है। वहीं, प्रदर्शनकारियों के हाथ में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर होने के पीछे एक बड़ी वजह है। कश्मीर की स्थिति को लेकर हुई एक सर्वदलीय बैठक में मोदी ने कहा था कि समय आ गया है, अब पाकिस्तान को विश्व के सामने बलूचिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में लोगों पर हो रहे अत्याचारों का जवाब देना होगा। मोदी के इस बयान के चलते बलोच आंदोलन को अंतरराष्ट्रीय मीडिया में काफी तवज्जो मिली थी। इसके बाद 2016 में भारत के 70वें स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री मोदी ने लाल किले की प्राचीर से बलूचिस्तान, गिलगित और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के लोगों का आभार व्यक्त किया था। दरअसल, पीएम मोदी के बयान के बाद पाकिस्तान में जुल्मो-सितम झेल रहे इन हिस्सों के लोगों ने उनकी आवाज उठाने के लिए मोदी को सोशल मीडिया पर धन्यवाद दिया था। हाल ही में पाकिस्तान के सिंध प्रांत के जमसोरो जिले में जीएम सैयद के गृहनगर सान कस्बे में हुई रैली में लोगों ने आजादी के लिए नारे लगाए गए। प्रदर्शनकारियों ने इस दौरान दावा सीधे तौर पर कहा- सिंध, सिंधु घाटी सभ्यता और वैदिक धर्म का घर है। ब्रिटिश साम्राज्य ने इस पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया था और 1947 में पाकिस्तान के इस्लामी हाथों में दे दिया था। अलग सिंधुदेश की मांग को विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्लेटफार्मों पर उठाया जा रहा है। इन लोगों का मानना है कि पाकिस्तान ने सिंध प्रांत पर जबरन कब्जा कर रखा है।

पाकिस्तान के निर्माण के बाद से ही बलूचिस्तान, गिलगित और पाक अधिकृत कश्मीर में असंतोष बढ़ने लगा था। पाकिस्तानी हुकूमत पर पंजाबी वर्ग के वर्चस्व से लेकर मानवाधिकारों के उल्लंघन तक पाक के नापाक इरादों की एक लंबी दास्तान है। इन सबके बीच अब चीन-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर के चलते भी पाक में भारी असंतोष फैल रहा है। पाकिस्तान के इन हिस्सों की आवाम अब खुलकर अपना विरोध दर्शा रही है। बीते कुछ वर्षों में भारत की वर्तमान मोदी सरकार पर इन लोगों का भरोसा बढ़ा है। ऐसे में अलगाववादी रैली में प्रधानमंत्री मोदी की तस्वीर नजर आने से पाकिस्तान की पेशानी पर फिर से बल पड़ सकते हैं। अब देखना यह है कि अलग सिंध देश की मांग से क्या पाकिस्तान के टुकड़े होंगे? होंगे तो कितने होंगे? सिंध देश यदि अलग बन जाता है तो वहां रहने वाले सिन्धी हिन्दुओं को इसका कितना लाभ मिल सकेगा? सिन्धु देश की मांग के आलावा साल 1947 में पाकिस्तान के बनने के साथ ही बलूच मुद्दे ने उसकी नाक में दम कर रखा है।

आए दिन बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी की खबरें आती हैं कि उसने अपने यहां कोई धमाका कर दिया, जिसमें पाकिस्तान सरकार या चीन के लोग मारे गए। इसके अलावा भी कई चरमपंथी संगठन हैं, जो बलूच आजादी चाहते हैं।दरअसल ये पाकिस्तान का वो हिस्सा है, जो कभी भी सरकार के बस में नहीं रहा। इसकी दो वजहें हैं- एक, पाकिस्तान ने धोखे से उसे अपने साथ मिला लिया। और दूसरा, बलूचिस्तान मानता है कि पाकिस्तान उसके साथ सौतेला व्यवहार करता रहा। पूरे देश में छिटपुट हिस्सों में अलगाववाद पनपता रहा। यहां तक कि देश के विभाजन के कुछ समय बाद आए मुस्लिमों को भी वहां स्वीकारा नहीं जा रहा। ये लोग मुहाजिर कहलाते और योजनाओं से दूर रखे जाते हैं। ये भी मुहाजिर सूबे की मांग बीच-बीच में कर लेते हैं। वैसे ये उस तरह के एक्सट्रीम नहीं हैं, जिनपर पाकिस्तान परेशान रहे। अफगानिस्तान में तालिबान आने के बाद से पाकिस्तान का डर और बढ़ा क्योंकि यहां मौजूद पश्तून आबादी अफगानिस्तान का हिस्सा बनने की बात करती आई है। अगर ऐसा हुआ तो लगभग पूरा खैबर पख्तूनख्वा अलग हो जाएगा और पाकिस्तान को टुकड़ों-टुकड़ों में बनने से कोई रोक नहीं सकता।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जनसभा

सारठ में झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा में बड़ी संख्या में भाजपा समर्थक शामिल हुए।

मस्क, भारतीय-अमेरिकी रामास्वामी 'डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी' का नेतृत्व करेंगे : ट्रंप

वाशिंगटन/भाषा

अमेरिका के नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को घोषणा की कि टेस्ला के मालिक एलन मस्क और भारतीय-अमेरिकी उद्यमी विवेक रामास्वामी 'डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी' (सरकारी दक्षता विभाग) या डीओजीई का नेतृत्व करेंगे।

ट्रंप ने घोषणा की, ''मुझे यह ऐलान करते हुए खुशी हो रही है कि एलन मस्क, अमेरिकी देशभक्त विवेक रामास्वामी के साथ मिलकर 'डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी' (डीओजीई) का नेतृत्व करेंगे।' रामास्वामी अगले साल 20 जनवरी से प्रभावी हो रहे ट्रंप प्रशासन में किसी पद पर नियुक्त किए जाने वाले पहले भारतीय-अमेरिकी हैं।

ट्रंप ने कहा, ''ये दोनों एक साथ मिलकर मेरे प्रशासन के लिए सरकारी नौकरशाही को खत्म करने, अतिरिक्त नियमों को कम

करने, व्यर्थ व्यय में कटौती करने और संघीय एजेंसियों के पुनर्गठन का मार्ग प्रशस्त करेंगे, जो 'अमेरिका बचाओ आंदोलन' के लिए आवश्यक है।''

ट्रंप द्वारा जारी बयान के अनुसार मस्क ने कहा, ''इससे व्यवस्था और सरकारी बर्बादी में शामिल किसी भी व्यक्ति को धक्का लगेगा, जो कि काफी लोग हैं।''

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ने कहा कि यह संभावित रूप से ''मौजूदा दौर का द मैनहट्टन प्रोजेक्ट'' होगा। 'द मैनहट्टन प्रोजेक्ट' द्वितीय विश्वयुद्ध का एक अभूतपूर्व, अति गोपनीय सरकारी कार्यक्रम था, जिसमें अमेरिका ने नाजी जर्मनी से पहले दुनिया का प्रथम परमाणु हथियार विकसित के लिए अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रम चलाया था।

ट्रंप ने कहा कि रिपब्लिकन नेताओं ने लंबे समय से डीओजीई का सपना देखा है। 'डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी' सरकार को बाहर से सलाह और मार्गदर्शन प्रदान करेगा तथा बड़े पैमाने पर संरचनात्मक सुधार लाने के लिए व्हाइट हाउस और प्रबंधन एवं बजट कार्यालय के साथ साझेदारी करेगा तथा सरकार में ऐसा उद्यमशील दृष्टिकोण पैदा करेगा जो पहले कभी नहीं देखा होगा। उन्होंने कहा, ''मुझे आशा है कि एलन मस्क और विवेक रामास्वामी संघीय नौकरशाही में कार्यकुशलता को ध्यान में रखते हुए बदलाव करेंगे और साथ ही सभी अमेरिकियों के जीवन को बेहतर बनाएंगे। महत्वपूर्ण बात यह है कि हम अपने वार्षिक 6.5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के सरकारी खर्च में मौजूद भारी बर्बादी और धोखाधड़ी को खत्म करेंगे।''

मस्क की कंपनी स्टारलिंक 'भेड़ की खाल में छिपा भेड़िया' : शोध संस्थान

नई दिल्ली/भाषा

एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक के भारत में उपग्रह ब्रॉडबैंड इंटरनेट सेवा देने की खबरों के बीच शोध संस्थान 'कूटनीति फाउंडेशन' ने अमेरिकी दिग्गज कंपनी के अमेरिकी खुफिया तथा सैन्य एजेंसियों के साथ गहरे संबंधों को रेखांकित करते हुए कहा है कि यह राष्ट्रीय हितों में बाधक बन सकते हैं। स्टारलिंक को '' भेड़ की खाल में छिपा भेड़िया '' करार देते हुए फाउंडेशन ने कहा कि स्टारलिंक दोहरे उपयोग वाली प्रौद्योगिकी है, जिसकी '' सबसे बड़ी ग्राहक तथा प्रचारक अमेरिकी सरकार की खुफिया तथा सैन्य एजेंसियां हैं।''

पुराने मोबाइल फोन सेवा प्रदाता वॉयस तथा इंटरनेट सेवाएं प्रदान करने के लिए दूरसंचार टावर का इस्तेमाल करते हैं, उपग्रह संचार या सैटकॉम में यह सेवा प्रदान करने के लिए उपग्रहों के समूह का इस्तेमाल किया जाएगा। हालांकि, उपग्रहों का नियंत्रण देश के बाहर होने को लेकर कई सवाल खड़े हैं। कुटनीति ने एक रिपोर्ट में कहा, '' स्टारलिंक उपग्रहों का समूह दुनियाभर में इंटरनेट सेवा प्रदाताओं का एक नया रूप है, जो भौगोलिक सीमांकन तथा प्राकृतिक सीमाओं से परे है। दुनिया के हर नागरिक तक सीधी पहुंच ह, जिसमें उपयोगकर्ता तथा अमेरिकी के बीच कामकाज के संचालन की कोई संरचना नहीं है।'' संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को कहा था कि स्टारलिंक का अभी सुरक्षा मानदंडों का पालन करना बाकी है। उपग्रह ब्रॉडबैंड सेवाओं के लिए उसे लाइसेंस भारत में सेवाओं के लिए सभी मानदंडों को पूरा करने के बाद जारी किया जाएगा।

कूटनीति की रिपोर्ट पर टिप्पणी मांगने के लिए स्टारलिंक को भेजे गए ई-मेल का खबर लिखने तक कोई जवाब नहीं आया। मस्क की अंतरिक्ष कंपनी स्पेसएक्स एक अमेरिकी खुफिया एजेंसी के साथ एक वर्गीकृत अनुबंध के तहत सैकड़ों जासूसी उपग्रहों का एक नेटवर्क बना रही है। यूक्रेन युद्ध में स्टारलिंक उपग्रह संपर्क के इस्तेमाल को अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन और कंपनी के बीच विवाद खड़ा हो गया था।

अरबपति मस्क ने हाल ही में संपन्न अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में बाइडन की पार्टी की कमला हैरिस के सामने डोनाल्ड ट्रंप का खुलकर समर्थन किया था। मस्क ने पिछले साल कहा था कि उन्होंने रूसी बेड़े पर हमले में सहायता के लिए अपने स्टारलिंक उपग्रह नेटवर्क को सक्रिय करने के यूक्रेन के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया था। कूटनीति ने मस्क की कंपनियों तथा अमेरिकी एजेंसियों के बीच कुछ अनुबंधों की खबरों का हवाला देते हुए कहा, '' ये अमेरिका के खुफिया-सैन्य-औद्योगिक परिसर के हिस्से के रूप में स्टारलिंक के ज्ञात अनुबंध हैं, बहुत सारे गोपनीय समझौते तथा अनुबंध हैं जिनका खुलासा नहीं किया गया है।''

स्वतंत्रता आंदोलन में भाजपा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की कोई भूमिका नहीं थी : मल्लिकार्जुन खरगे

लातूर (महाराष्ट्र)/भाषा

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी और उसके वैचारिक मार्गदर्शक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्वतंत्रता संग्राम और देश की एकता में कोई भूमिका नहीं होने का आरोप लगाया।

खरगे ने सत्तारूढ़ पार्टी पर तीखा हमला करते हुए नारों - बंटेंगे तो कटेंगे और एक हैं तो सुरक्षित हैं की आलोचना की और इन्हें विभाजनकारी बताया।

लातूर में 20 नवंबर को होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार करते हुए खरगे ने भाजपा नीत महायुति सरकार को ''चोरों की सरकार'' करार दिया और चुनाव में उसकी हार का आह्वान किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा जिन्होंने कांग्रेस नेताओं द्वारा संविधान की पुस्तक लहराने पर सवाल उठाया था।

खरगे ने कहा कि जाति जनगणना, जिसका वादा कांग्रेस ने अपने चुनावी घोषणापत्र में किया था, उसका उद्देश्य एकता को बढ़ावा देना और सभी वर्गों के लिए लाभों का समान वितरण करना है। उन्होंने कहा, जाति जनगणना लोगों को बांटने के लिए नहीं है।

खरगे ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रधानमंत्री मोदी द्वारा लगाए जा रहे क्रमशः 'बंटेंगे तो कटेंगे' और 'एक हैं तो सेफ हैं' के नारे की आलोचना करते हुए कहा, कांग्रेस नेताओं ने देश और सभी समुदायों को एकजुट रखने के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी। इसके विपरीत, भाजपा और संघ का स्वतंत्रता आंदोलन और देश की एकता में कोई योगदान नहीं था। खरगे ने कहा कि महायुति 'चोरों की सरकार' है। विधानसभा चुनाव देशद्रोहियों को सबक सिखाने का मौका है। रैली को संबोधित करते हुए खरगे ने महाराष्ट्र में किसानों की आत्महत्या से लेकर धन के एकीकरण जैसे मुद्दों को उठाते हुए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र में प्रतिदिन सात किसान आत्महत्या करते हैं। भारत की 62 प्रतिशत संपत्ति पांच प्रतिशत आबादी की जमीनों में केंद्रित है। 50 प्रतिशत गरीबों के पास सिर्फ तीन प्रतिशत संपत्ति है। यह मोदी, (देवेंद्र) फडणवीस, (मुख्यमंत्री) एकनाथ शिंदे और (उपमुख्यमंत्री) अजित पवार की सरकार है।खरगे ने कहा कि मोदी को अपने प्रदर्शन और कार्य विचारधारा के बारे में बोलना चाहिए तथा झूठ फैलाने से बचना चाहिए।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, मोदी ने आम लोगों के बैंक खातों में 15 लाख रुपये जमा करने (2014 के चुनावों से पहले विदेशी बैंकों में जमा काले धन को वापस लाने के बाद) और हर साल 2 करोड़ नौकरियां पैदा करने के बारे में झूठ बोला। उन्होंने शिक्षा का अधिकार अधिनियम, मनरेगा और भोजन का अधिकार अधिनियम को कांग्रेस सरकारों की उपलब्धियों के रूप में गिनाया। खरगे ने कहा, भाजपा ने केवल झूठे वादे किए, जबकि कांग्रेस सरकारों ने कारखाने लगाने के लिए काम किया था। रैली में संविधान की एक प्रति हाथ में लिए खरगे ने समाज और समानता के लिए बी.आर. आंबेडकर के योगदान का जिक्र किया। उन्होंने कहा, केवल आंबेडकर का संविधान ही समाज के सभी वर्गों को सुरक्षा की गारंटी देता है। मोदी कहते हैं कि कांग्रेस संविधान की खाली प्रति दिखा रही है। क्या यह खाली है?

खरगे ने कहा, मोदी कहते हैं कि संविधान संदर्भ पुस्तक का लाल रंग नक्सलवाद का प्रतीक है और विपक्ष को शहरी नक्सली कहते हैं। मोदी ने (संविधान की) वही प्रति तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को दी थी। क्या हमें उन्हें शहरी नक्सली कहना चाहिए?

'कंगुवा' दर्शकों के लिए खुशी लेकर आएगी : सूर्या

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार सूर्या का कहना है कि उन्हें उम्मीद है कि उनकी फिल्म कंगुवा दर्शकों के लिये खुशी लेकर आयेगी।

सूर्या ने कहा, कंगुवा जैसे बड़े मौके से पहले मैं शांति महसूस कर रहा हूं और सकारात्मकता को बनाए रखने की कोशिश कर रहा हूं। मेरी बस यही चाहत है कि फिल्म से जुड़े हर व्यक्ति को खुशी और गर्व महसूस हो। तमिलनाडु में असली खुशी तब है जब आप किसी और को खुश कर सकें। मुझे सच में उम्मीद है कि यह फिल्म वही खुशी लेकर आएगी।हर फिल्म अपने निर्माताओं के लिए एक बच्चे की तरह होती है, और कंगुवा में पूरी टीम ने अपना दिल और जान लगा दिया है। हमने इस फिल्म को बहुत प्यार से बनाया है और उम्मीद है कि 14 तारीख हम सब के लिए एक जश्न का मौका होगी।

कांगुवा के निर्माता, के. ई. ज्ञानवेल राजा ने कहा, निर्देशक शिवा सर तो पिछले 90 दिन से सोए नहीं, और मैं खुद भी पिछले 30 दिन से नींद से दूर हूं। अब फिल्म का परिणाम और दर्शकों का उत्साह देखकर लगता है कि हमें कुछ आराम करना चाहिए।

'कंगुवा' को भारत के अलावा सात अलग-अलग देशों में शूट किया गया है। मेकर्स ने टेक्निकल डिपार्टमेंट जैसे एक्शन और सिनेमेटोग्राफी के लिए हॉलीवुड एक्सपर्ट्स को हायर किया है। फिल्म में कुल 10 हजार लोगों से ज्यादा के साथ शूट किया गया, सबसे बड़ा वॉर सीक्वेंस भी है।

स्टूडियो ग्रीन ने टॉप डिस्ट्रीब्यूशन हाउसेज के साथ हाथ मिलाया है, जिससे फिल्म कंगुवा को बड़े लेवल पर दुनिया भर में रिलीज किया जा सके। यह फिल्म 14 नवंबर 2024 को रिलीज के लिए तैयार है।

रश्मिका मंदाना ने फिल्म 'पुष्पा 2' के डबिंग सेशन से शेयर की तस्वीरें

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्मों की जानीमानी अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने अपनी आने वाली फ़िल्म पुष्पा 2: द रूल के डबिंग सेशन की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। पुष्पा 2: द रूल इस साल की मच अवेटेड फिल्म है। फिल्म का ट्रेलर 17 नवंबर को रिलीज होने वाला है।

ट्रेलर पटना में होने रिलीज़ होने वाला है। पुष्पा 2: द रूल के में श्रीवल्ली की भूमिका निभा रही रश्मिका ने अपने डबिंग सीजन से

तस्वीरें शेयर की हैं, जिसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा है, अब जब मस्ती और खेल खत्म हो गए हैं, तो चलिए काम पर लग जाएं ! मतलब-1- पुष्पा की शूटिंग लगभग पूरी हो चुकी है.. 2- पुष्पा द रूल- फर्स्ट हाफ की डबिंग पूरी हो चुकी है.. 3-1 बजे सेकंड हाफ की डबिंग और माय गॉड! फिल्म का फर्स्ट हाफ पहले से ही कमाल का है और सेकंड हाफ तो और भी ज्यादा कमाल का है.. मेरे पास सच में कहने के लिए शब्द नही हैं.. आप लोग सच में एक अद्भुत अनुभव के लिए तैयार हैं!!! मैं इंतजार नहीं कर सकती! यह चेहरा इस लिए है क्योंकि शूटिंग खत्म होने को है और मैं इस बात से थोड़ा दुखी हूं!!

निमरत कौर 'स्काई फोर्स' की कास्ट में शामिल हुईं

मुंबई/एजेन्सी

निमरत कौर भारतीय सिनेमा की सबसे मशहूर अभिनेत्रियों में से एक हैं। अपने शानदार करियर के दौरान, कौर ने अलग-अलग तरह की भूमिकाएँ निभाकर अपनी क्षमता का परिचय दिया है। अब, अपनी उपलब्धियों में एक और उपलब्धि जोड़ते हुए, ऐसा लगता है कि निमरत अगले साल रिलीज़ होने वाली आगामी फ़िल्म स्काई फोर्स में अक्षय कुमार के साथ काम करने वाली हैं। अफ़वाह है कि निमरत कौर एक अहम भूमिका निभाएँगी, जिससे फ़िल्म की गति बढ़ेगी और इसकी कहानी में गहराई आएगी। निमरत कौर के पास दमदार भूमिकाएँ निभाने का ट्रैक रिकॉर्ड है और वह फ़िल्म में नए आयाम तलाशने से न डरने वाली अभिनेत्री के तौर पर एक मिसाल हैं। एयरलिफ्ट, द लंचबॉक्स, सजनी शिंदे का वायरल वीडियो और अन्य फ़िल्मों में उनके अभिनय को लोगों ने देखा है।

अक्सर महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नज़र आने वाली निमरत कौर ने

अपने किरदारों के चयन के लिए दर्शकों और क्रिटिक्स दोनों से सराहना हासिल की है। इस बीच, स्काई फोर्स एक आगामी युद्ध फ़िल्म है, जिसका निर्देशन प्रशंसित फ़िल्म निर्माता अभिषेक अनिल कपूर और संदीप केवलानी कर रहे हैं। अगर निमरत कौर के शामिल होने की अफवाहें सच होती हैं, तो वह अक्षय कुमार, सारा अली खान और वीर पहारिया जैसे अन्य लोगों के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करती नज़र आएंगी। स्काई फ़ोर्स 24 जनवरी, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

पार्टी

अभिनेत्री विद्या बालन, कार्तिक आर्यन और माधुरी दीक्षित बुधवार को मुंबई में फिल्म 'भूल भुलैया 3' की सक्सेस पार्टी में शामिल हुए।

'कुबेर' के पोस्टर से नागार्जुन का लुक रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

फ़िल्म कुबेर के पोस्टर से नागार्जुन का लुक रिलीज़ हो गया है। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता शेखर कमुला के नेतृत्व वाली टीम ने कुबेर से नागार्जुन अक्किनेनी का एक नया आकर्षक पोस्टर जारी किया है। सोशल मीडिया पर साझा किए गए नए पोस्टर में नागार्जुन को एक तनावपूर्ण, चिंतनशील क्षण में दिखाया गया है, जो एक मंद रोशनी वाले शहर की पृष्ठभूमि में सेट है। पोस्ट के साथ कैप्शन में प्रशंसकों को चिढ़ाते हुए लिखा गया है: महाकाव्य कथा सामने आने के लिए तैयार है... कुबेरगलिम्पसे में किंग आईएमनागार्जुना की शानदार भूमिका के लिए बने रहें। कुबेर को तमिल और तेलुगु में एक साथ फिल्माया जा रहा है। इस फिल्म में धनुष, रश्मिका मंदाना और जिम सर्भ जैसे बेहतरीन कलाकार हैं, साथ ही राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता संगीतकार देवी श्री प्रसाद ने संगीत दिया है।

प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी 'वैक गर्ल्स'

मुंबई/एजेन्सी

पद्मश्री पुरस्कार विजेता सूनी तारापोरेवाला ने सीरीज़ वैक गर्ल्स का निर्माण एवं निर्देशन किया है जिसे सूनी, इयाना बातिवाला और रॉनी सेन ने साथ मिलकर लिखा है। इस सीरीज़ को मैटर एंटरटेनमेंट, चॉकबोर्ड एंटरटेनमेंट और जिगरी दोस्त प्रोडक्शंस के बैनर तले केलब फ्रैंकलिन, विकेश भूटानी और सूनी तारापोरवाला ने प्रोड्यूस किया है। कॉमेडी, ड्रामा, डांस और म्यूजिक से भरपूर इस सीरीज़ में मेखोला बोस, अनसुआ चौधरी, रिताशा राठौर, क्रिसन परेरा, प्रियम साहा, रूबी साह, अचिंत्य बोस जैसे बेहद होनहार और उभरते कलाकारों के साथ-साथ बरुन चंदा, लिलेट दुबे और स्वर्गीय नितेश पांडे जैसे दिग्गज कलाकारों ने अहम किरदार निभाए हैं।

नौ एपिसोड वाली ड्रामा सीरीज़ वैक गर्ल्स भारत के साथ-साथ दुनिया भर के 240 से अधिक देशों एवं क्षेत्रों में 22 नवंबर को सिर्फ प्राइम वीडियो पर हिंदी में प्रीमियर के लिए तैयार है, जिसे तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ में भी डब किया गया है। कोलकाता की पृष्ठभूमि पर आधारित इस सीरीज में बेबाक अंदाज़ वाली 6 युवतियों की कहानी दिखाई गई है, जो ऐसे शहर और देश में अपना एक डांस ग्रुप बनाती हैं, जहाँ उनकी पसंद के इस डांस स्टाइल, यानी वैकिंग के बारे में लोग बहुत कम जानते हैं। ये लड़कियाँ साथ मिलकर 'वैक गर्ल्स' नाम से एक डांस ग्रुप बनाती हैं और सुर्खियों में छा जाती हैं।

ट्रैवल एंग्जायटी से जूझ रहीं जाह्नवी कपूर

मुंबई/एजेन्सी

स्टार जाह्नवी कपूर इन दिनों यात्रा पर हैं। लेकिन उन्हें घबराहट भी हो रही है। ऐसा इसलिए क्योंकि उन्हें अपने 'बॉयज' की फिक्र रहती है! ये बॉयज उनके दिल के करीब हैं। जाह्नवी कपूर ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपनी एक फोटो शेयर की। इसमें उनके बॉयज भी दिख रहे हैं। और ये हैं उनके दो पालतू डॉग्स। एक है अमेरिकन अकिता और दूसरा है हस्की। जाह्नवी ने इस पिक के साथ लिखा, ट्रैवेल एंग्जायटी, क्योंकि मैं अपने बॉयज को मिस कर रही हूं। दूसरे स्टार्स की तरह ही जाह्नवी भी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। आए दिन जिंदगी से जुड़े अहम पलों को साझा करती हैं इनके कैप्शन भी जानदार होते हैं। हाल ही में उनकी एक पिक को इंस्टाग्राम पर काफी पसंद किया गया। इसमें वो जालीदार साड़ी में दिखी थीं। इस पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा, कुछ कसाटा खाने का मन हुआ, लेकिन मैंने इसे पहन लिया। इससे पहले

जाह्नवी ने अपने कथित प्रेमी शिखर पहाड़िया के साथ कुछ फोटो शेयर की थी। उन्होंने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, ऐसे मीम्स जो 'ग्राम' पर नहीं पहुंचे।

इसकी एक तस्वीर ने यूजर्स का ध्यान अपनी ओर काफी खींचा और ये थी शिखर पहाड़िया संग उनकी तस्वीर। जिसमें जाह्नवी अपने पालतू कुत्ते के साथ खेल रही थीं और शिखर ने प्यार से उनके सिर पर हाथ रखा हुआ था। हालांकि जाह्नवी और शिखर ने अपने रिश्ते को ऑफिशियल नहीं किया है, लेकिन दोनों को अक्सर साथ देखा जाता है। मुंबई में मनीष मल्होत्रा ङ्कङ्की ग्रैंड दिवाली पार्टी में भी दोनों साथ पहुंचे थे।

जान्हवी ने शिखर के साथ अपने रोमांस का संकेत सबसे पहले 'कॉफी विद करण' में दिया था, जब वह सारा अली खान के साथ आई थीं। बाद में, अपनी बहन खुशी कपूर के साथ एक एपिसोड के दौरान, उन्होंने शिखर का नाम लिया, जिससे अटकलों का बाजार और गरम हो गया। बता दें कि जाह्नवी ने शशांक खेतान की फिल्म धड़क से हिंदी सिनेमा में डेब्यू किया था। यह फिल्म मराठी फिल्म सैराट की हिंदी रीमेक थी। इसके बाद वह जोया अख्तर की एंथोलॉजी घोस्ट स्टोरीज में नजर आईं।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

सूर्य का प्रकाश संपूर्ण संसार के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है क्योंकि सूर्य जगाता है। आज के दिन कई लोग सोये रहते हैं लेकिन यह सक्रियता का संदेश देने वाला है। जो सक्रिय होता है उसे ऊर्जा प्रदान करने वाला है। जिसका रवि तेजस्वी है, वह सफलता प्राप्त करता है। सबके लिए उसकी उपस्थिति विशेष प्रकार के प्रभाव से भर देती है। जो पितृ भक्त होता है, उसका सूर्यबल बढ़ता है। जहां- जहां पिता का सम्मान है, वहां आपका भी सम्मान बढेगा। यह बड़ों की विश्वसनीयता का प्रतीक है।

चौथमल एकता, अहिंसा और साधर्मिक भक्ति के अग्रदूत थे : युवाचार्य महेंद्र ऋषि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी महाराज ने बुधवार को सात वार की प्रवचनमाला में रविवार पर श्रोताओं को संबोधित करते हुए कहा रविवार उजाला देने वाला है। इसे सन्नी डे भी कहा जाता है। रवि का तेज भारी होता है। यह प्रभावकारी और आनंद दिलाने वाला है।

उन्होंने कहा सूर्य के उदित होने पर साधु चर्या प्रारंभ होती है। सूर्य का प्रकाश यत्ना के लिए, उसका ताप जीव विराधना से बचने के लिए है। उन्होंने कहा सूर्य का प्रकाश संपूर्ण संसार के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है क्योंकि सूर्य जगाता है। आज के दिन कई लोग सोये रहते हैं लेकिन यह सक्रियता का संदेश देने वाला है। जो सक्रिय होता है उसे ऊर्जा प्रदान करने वाला है। जिसका रवि तेजस्वी है, वह सफलता प्राप्त करता है। सबके लिए उसकी उपस्थिति विशेष प्रकार के प्रभाव से भर देती है। जो पितृ भक्त होता है, उसका सूर्यबल बढ़ता है। जहां- जहां पिता का सम्मान है, वहां आपका भी सम्मान बढेगा। यह बड़ों की विश्वसनीयता का प्रतीक है।

उन्होंने चौथमलजी महाराज का पुण्य स्मरण करते हुए बताया कि उस महापुरुष का जन्म, दीक्षा व देवलोकगमन रविवार के दिन हुआ। वे दिवाकर की उपमा से अलंकृत हुए। 148 वर्ष पूर्व उस महापुरुष ने जन्म लिया। अन्य धर्मों के अनुयायियों में भी उनकी आस्था बनी हुई थी। ऐसे अद्भुत व्यक्तित्व के धनी चौथमलजी महाराज ने 18 वर्ष की आयु में दीक्षा ग्रहण की। 16 वर्ष की उम्र में उनका विवाह हो गया लेकिन जिस समय बहू को घर लाने की बात थी, मां ने कहा मैं दीक्षा ले रही हूं।

युवाचार्य ने बताया कि उन्होंने भी विवाह का त्याग कर दीक्षा ले ली। उनकी वाणी के प्रभाव से कई संत- सती बने और वह शाखा दिवाकर के नाम से प्रसिद्ध हुई, जिनकी किरणों से पूरा भारतवर्ष आलोकित हुआ। उनके प्रवचन सुनने हजारों की जनमेदनी पहुंचती थी। उन्होंने प्रवचन के माध्यम से जैनत्व, भारतीय संस्कृति का विश्लेषण इस तरह से किया किया कि अनेक राजा उनके भक्त बने। उन्होंने कहा वे एकता, अहिंसा, साधर्मिक भक्ति के अग्रदूत थे। उनके प्रवचनों के साथ भजन भी प्रेरणादायी होते थे। वे बहुत सुंदर ढंग से समझाते थे। उनके प्रवचन हृदय को छू लेते थे। उनकी आवाज झोपड़ी से महलों तक गूंजती थी। हम भाग्यशाली हैं कि हमें ऐसे महापुरुष मिले। उन्होंने 55 वर्ष संयम जीवन के बिताए और हमेशा एक तरह की बात की। उन्हीं की प्रेरणा थी कि 1949 में स्थानकवासी श्रमण संघ बना। उनके शिष्य उपाध्याय कस्तूरचंदजी ने संघ- समाज के लिए अनुपम कार्य किए। उन्होंने कहा जब हम उनके आदर्शों को अपनाएंगे तो जिनशासन जयवंत हो जाएगा। यदि हम एकता और साधर्मिक भक्ति को अपनाएंगे तो ही हमारा धर्म आगे बढ़ेगा। हमारी पहचान सच्चे जैनी के रूप में हो।

मुनि हितेंद्र ऋषिजी ने बताया कि गुरुवार को आठ वार की प्रवचनमाला की श्रृंखला में परिवार पर प्रवचन होंगे। इस दौरान चातुर्मास में कार्यरत भोजन समिति, तपस्या समिति, प्रवचन समिति, आवास निवास समिति, वैयावच्च समिति, पारणा समिति, नवकार जाप समिति, पार्किंग समिति, जीवदया एवं अन्नदान समिति, आत्मध्यान शिविर समिति, पंडाल व सजावट समिति एवं ओर भी सभी सेवा समिति के सदस्यों का सम्मान किया गया।

राकेश विनायकिया ने सभा का संचालन किया।

दुबई में दाधीच समाज के स्नेह मिलन में चेन्नई प्रवासी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/दुबई। दुबई में दाधीच समाज के बंधुओं द्वारा दीपावली स्नेह मिलन का आयोजन एक होटल में किया गया।

कुलदेवीराज मां दधिमती एवं महर्षि दधीचि का पूजन, आरती से हुई शुरुआत में कार्यक्रम में दीप-प्रज्ज्वलन विशेष अतिथि रूप में पधारे भारत वर्ष के विभिन्न दाधीच मंदिर में न्यासी एवं मां दधिमती सेवा धाम, श्री स्वामी भवन ट्रस्ट चेन्नई के न्यासी वेंकटेश दाहिमा के किया।

कार्यक्रम की जानकारी देते हुए, विक्रम दाधीच ने अपने अध्ययन में बताया कि कैसे उनके साथ राकेश शर्मा, पवन व्यास, रोहित दाहिमा ने समूह एक समूह के बाकी हिस्सों को मजबूत किया। अबू धाबी, शारजाह, उफजेरा, रसाल-ए-खामा सहित पूरे स्टूडियो के दाधीच बंधुओं इस एक छत्र के नीचे जोड़ा गया है। जिसमें विशेष कर श्वेता शर्मा और राधा रानी व्यास का मुख्य रोल आ रहा है।

कार्यक्रम में अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विदेश में रहकर अपनी संस्कृति बचाते हुए इस तरह के आयोजन एक दूसरे के करीब लाते हैं। सदस्यों का परिचय हुआ। पूरे गल्फ क्षेत्र के दाधीच बंधुओं को जोड़ना अहम लक्ष्य, और समाज बंधुओं के सुख-दुख में साथ देना और किसी अन्य प्रकार की मदद का भी सुझाव दिया गया।यह जानकारी पवन व्यास ने दी।

प्राकृत बताती है भारतीय भाषाओं की समरूपता : डॉ. दिलीप धींग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अंतरराष्ट्रीय प्राकृत केन्द्र के पूर्व निदेशक साहित्यकार डॉ. दिलीप धींग ने कहा कि प्राकृत भाषा के अध्ययन व अनुसंधान से भारतीय भाषाओं की आंतरिक समरूपता के दर्शन किये जा सकते हैं।

बुधवार को दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा में आयोजित भारतीय साहित्य और मीडिया महोत्सव के दूसरे दिन सत्र के मुख्य वक्ता के रूप में उन्होंने कि शास्त्रीय (क्लासिकल) भाषा तमिल और प्राकृत के संबंध के बारे में बताया। महाकवि सुब्रह्मण्य भारती और बालशौरि रेड्डी को समर्पित आयोजन में डॉ. धींग ने रेड्डी के संस्मरण साझा किये। कालीकट विश्वविद्यालय के प्रो. प्रमोद कोवाप्रत ने अध्यक्षता करते हुए कहा कि भारती और रेड्डी का जीवन पर तिरुकुरल का प्रभाव देखा जा सकता है। साहित्य अकादमी (भारत सरकार), उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, काशी-वाराणसी विरासत फाउंडेशन और डीजी वैष्णव कॉलेज के साझे में आयोजित इस महोत्सव में अनेक शोधार्थियों ने शोधपत्र प्रस्तुत किये।

इस अवसर पर सभा के पूर्व कुलपति प्रो. राम मोहन पाठक, उप्र हिंदी संस्थान के निदेशक रवीन्द्रपाल सिंह, डॉ. ऋषभदेव शर्मा, शसुन जैन कॉलेज की डॉ. सरोज सिंह, पूजा पाराशर, डॉ. राजलक्ष्मी कृष्णन, अशोक कुमार जैन शास्त्री, डॉ. पुष्पा सहित अनेक विद्वान, हिंदी सेवी और हिंदी प्रेमी उपस्थित थे। भुवनेश्वरी ने सत्र का संचालन किया। डॉ. कमलेश भट्ट 'कमल' ने संयोजन किया।

जीवन में दया और क्षमा गुण को विकसित करें : साध्वी धर्मप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। हनुमंतनगर स्थित मरुधर केसरी दरबार में श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए साध्वी श्री धर्मप्रभाजी म. सा. ने कहा कि दया धर्म का मूल है। व्यक्ति के जीवन में क्षमा और दया का भाव होना चाहिए। भगवान महावीर का जिनशासन अहिंसा, क्षमा और दया के स्तम्भ पर प्रतिष्ठित है। संसार के समस्त प्राणियों पर अनुकम्पा करना ही दया है। सभी जीवों के प्रति मैत्री, दया करुणा और श्रमा का भाव व्यक्ति को अहिंसक, मानवीय गुणों से ओत-प्रोत धर्मवान, समताशील बनाता है। भगवान महावीर ने भगवती सूत्र में फरमाया है कि साधक के जीवन में ध्यान, धर्म, जप-तप, संयम, भिक्षा आदि सब एक दया रुपी गुण के चमक- सौरभ से शोभापति है। भगवान महावीर का धर्म दया- अहिंसा प्रधान धर्म है। विश्व के सभी धर्मो आगम-शास्त्रों में दया गुण की महिमा का बखान किया गया है। दया रूपी नदी के किनारे ही सत्य, संयम, शौच, क्षमा, मार्दव, आर्जव, शील, शमा धर्मरूपी वृक्ष स्थित है। मानव होकर भी जिसमें दया, करुणा, अनुकम्पा का भाव नहीं, समर्थ, बलकन, शक्तिशाली होकर भी कोई यदि जीवों पर अनुकम्पा-दया का भाव नहीं लाता है, किसी कमजोर, असहाय, लाचार, बेसहारा की रक्षा मदद नहीं करता हैं, परोपकार की भावना से शून्य बनकर उन जीवों को सुख-साता नहीं पहुंचाता है ऐसे व्यक्ति का संसार में जीना व्यर्थ है। वह उस ठूंठ वृक्ष के समान जो उस पर आये किसी भी जीव, पशु-पक्षी आदि को न तो छाँव प्रदान करता है और ना ही फल-फूल से किसी की झुधा, प्यास शांत करता है। किसी के राहों में फूल नहीं बिछा सकते तो काँटें राह में बिछाने का खोटा काम भी व्यक्ति को नहीं करना चाहिये। साध्वीश्री ने प्रेरक शिक्षाप्रद 'श्री अंजना सती चारित्र' वांचन के साथ ही आज धर्मसभा में पूर्णाहुति की। संचालन संघ मंत्री सुरेश कुमार धोका ने किया।

आईआईएम त्रिची में हिंदी पुस्तक का विमोचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुचिरापल्ली। तमिल विद्वान और सेवानिवृत्त बैंक अधिकारी सोमा वीरप्पन की प्रथम हिंदी पुस्तक यस बॉस' का विमोचन 12 नवंबर को भारतीय प्रबंधन संस्थान, तिरुचिरापल्ली (आईआईएम, त्रिची) में हुआय तिरुकुरल के चुनिंदा नीति-वचनों को प्रबंधन से जोड़ कर लिखी इस किताब का विमोचन आईआईएम, त्रिची के निदेशक डॉ. पवन कुमार सिंह ने किया। अंतरराष्ट्रीय प्राकृत केन्द्र के पूर्व निदेशक साहित्यकार डॉ. दिलीप धींग पहली प्रति ग्रहण की। डॉ. धींग ने कहा कि तमिल साहित्य का गौरव तिरुक्कुरल भारतीय संस्कृति एवं मानवीय चिंतन की शुद्ध और विराट अभिव्यक्ति है। इस विश्वविख्यात ग्रंथ में सभी प्रकार के श्रेष्ठ जीवन मूल्यों का समावेश है। इसमें तिरुवल्लुवर नैतिक जीवन, अहिंसामय समाज और समर्थ राष्ट्र का संदेश देते है।

कवि डॉ. धींग ने कहा कि तिरुक्कुरल सूक्तियों का भंडार है। कुरल की सूक्तियां राजा और प्रजा, बड़े और छोटे, पुरुष और स्त्री, अभिभावक और संतति, गुरु और शिष्य, सबके लिए प्रेरक हैं। डॉ. धींग ने कहा कि भारत में सबसे ज्यादा बोली और समझी जाने वाली भाषा हिंदी में लेखक की यह पुस्तक तमिल साहित्य की सुगंध को हिंदीभाषी क्षेत्रों में पहुंचाने में सहायक बनेगी। इस पुस्तक के जरिये लेखक ने पुरातन और आधुनिक ज्ञान के बीच के अंतराल को कम और खत्म करने का सफल प्रयास किया है।

आईआईएम निदेशक डॉ. पवन कुमार सिंह ने कहा कि जीवन में साहित्य और गणित का ज्ञान जरूरी है। तिरुकुरल में इसका मार्गदर्शन मिलता है। तिरुकुरल को पाठक हितैषी बताते हुए उन्होंने कहा कि सिर्फ साठ कुरल के आधार पर लिखी पुस्तक इतनी शिक्षाप्रद है तो संपूर्ण तिरुक्कुरल की महत्ता का अनुमान आसानी से लगाया जा सकता है।

लेखक सोमा वीरप्पन ने कहा कि तिरुक्कुरल में जो राजा और मंत्रियों के लिए लिखा गया, वह वर्तमान में अधिकारियों और कर्मचारियों पर लागू होता है। अनेक कुरल ऐसे हैं, मानो हम आधुनिक प्रबंध की किताब पढ़ रहे हैं। तिरुवल्लुवर की प्रबंधकीय शिक्षाओं पर लिखी इस पुस्तक का विमोचन भारतीय प्रबंधन संस्थान में सर्वथा उचित है।

सामाजिक उत्प्रेरक सीए अनिल खीचा ने लेखक का अभिनंदन किया और कहा कि यह पुस्तक कार्यालयीन जीवन के लिए मार्गदर्शक होने के साथ ही जीवन में आने वाली समस्याओं के व्यावहारिक समाधान सुझाती है। अनुवादक रोहित शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। द्वितीय वर्ष के छात्र प्रियांशु भट्ट ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम में पंजाब नेशनल बैंक के उप-महाप्रबंधक संजीव कुमार, महा डाकपाल जोसेफाइन, त्रिची नगर संगम के सदस्य, विभिन्न कार्यालयों के हिंदी अधिकारी, प्रबंधन संस्थान के प्राध्यापक, विद्यार्थी और समाजजन उपस्थित थे।

मीडिया प्रचार का तंत्र तो साहित्य विचार का मंत्र : सिद्धार्थ शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मंगलवार को दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा में आयोजित 'भारत : साहित्य और मीडिया महोत्सव' में चर्चा सत्र के दौरान सिद्धार्थ शर्मा ने मीडिया और साहित्य की समानताएं और अंतर बताया। सिद्धार्थ शर्मा ने मीडिया के उद्भव से विकास और वर्तमान से भविष्य की चुनौतियों पर गंभीर तथ्य रखे। साहित्य व्यापक न भी हो तो साहित्य है, जैसे कालिदास का रघुवंश ज्यादा लोग न भी पढे हों, तो भी वो साहित्य ही है, पर यदि कोई अखबार 50 लोग भी न पढें तो वो मीडिया नहीं है। मीडिया में विचार की गुणवत्ता कम और विषय को गणना में अधिक लोगों तक पहुंचाना महत्वपूर्ण होता है। साधारण भाषा में कहें तो मीडिया = प्रचार का तंत्र, साहित्य = विचार का मंत्र है।

प्राचीन भारत की परंपरा हो या वर्तमान एडवान्स्ड साइंस की विधा, दोनों में विचार के आधार पर ही निष्कर्ष पर पहुंचना अनिवार्य रहा। वर्तमान भारत हो या विश्व भर की मास साइकोलॉजी, दोनों में आज प्रचार के आधार पर ही निष्कर्ष निर्माण किये जा रहे हैं।

इस कार्यक्रम का आयोजन साहित्य अकादमी दिल्ली, काशी वाराणसी विरासत फाउंडेशन, डी जी वैष्णव कालेज तथा उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान ने संयुक्त रूप से किया है।

शत्रुंजय महातीर्थ भाव यात्रा और कृतज्ञता ज्ञापन समारोह 15 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में सफल चातुर्मास सम्पन्न करने के पश्चात कृतज्ञता ज्ञापन समारोह का आयोजन शुक्रवार को सुबह बसवनगुडी आराधना भवन में रखा गया है। ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने बताया कि खरतरगच्छाधिपतिआचार्य जिनमणिप्रभसूरिश्वरजी म.सा के शिष्य मुनिश्री मलयप्रभसागरजी म.सा एवं प.पू साध्वीश्री प्रियस्वर्णांजनाश्रीजी म.सा के प्रति दादावाड़ी ट्रस्ट और समस्त संस्थाओं के पदाधिकारी साधु साध्वी चातुर्मास के दौरान इतनी सुन्दर ज्ञान, ध्यान, स्वाध्याय की आराधना करवाने हेतु अपनी कृतज्ञता व्यक्त करेंगे। महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने कहा कि यह हमारा कर्तव्य भी बनता है। गुरुदेव और गुरुवर्या श्री जी, जिन्होंने चार माह में निरन्तर हमें इतनी सुन्दर आराधना करवाई है, उनके प्रति कृतज्ञता का भाव रखते हुए समारोह का आयोजन किया गया है। प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने जानकारी दी कि इससे पूर्व शुक्रवार को शत्रुंजय गिरिराज की भाव यात्रा और कार्तिक पूर्णिमा की आराधना करवाई जाएगी।

ट्रस्ट के ललित डाकलिया ने जानकारी दी की गुरुदेव और गुरुवर्या श्री जी का चातुर्मास परिवर्तन विहार शनिवार को सुबह महावीर रीजेंसी त्यागराज नगर की ओर होगा।

ज्ञापन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर। यहां तमिलनाडु अल्पसंख्यक आयोग की बैठक में शामिल हुए लोगों ने आयोग एवं कलेक्टर को सरकार के तुरन्त फायदे के लिए सौंपा ज्ञापन। कलेक्टर कार्यालय में बुधवार को प्रदेश अल्पसंख्यक आयोग की अहम बैठक हुई। इस बैठक में अल्पसंख्यक आयोग के सचिव सदस्य वी. संपत आईएएस, अल्पसंख्यक आयोग के चेयरमैन फादर जो. अरुण, अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य वर्ण राज, नाघूर नजीमुदीन, राजेंद्र प्रसाद जैन आदि ने ज्ञापन देकर तुरन्त एक्शन का आग्रह किया। जैन समाज से महासंघ के राकेश गोलेछा, बीजेएस से राजेश पोखरना आदि उपस्थित थे।

व्रत संकल्पों से संयममय जीवन का विकास होता है : साध्वी सिद्धप्रभा

बेंगलूरु। आचार्यश्री महाश्रमणजी की शिष्या साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी के सान्निध्य में तेरापंथ युवक परिषद (तेयुप) विजयनगर द्वारा 12 नवम्बर को 'सम्मान व्रत चेतना' विजयनगर के तेरापंथ सभा भवन में आयोजित किया गया। साध्वी श्री सिद्धप्रभाजी ने भगवान महावीर द्वारा प्ररूपित अनगार धर्म और आगार धर्म की व्याख्या करते हुए बताया कि श्रावकों के लिए पूर्ण संयमी बनाना कठिन है, परन्तु आवश्यकताओं और उपभोग के सीमांकन द्वारा व्रती बन सकते हैं। व्रत चेतना को जागृत कर, व्रतों को समझकर बिना अधिक कठिनाई के संकल्पों को स्वीकार किया जा सकता है। कार्यक्रम की शुरुआत साध्वीश्री द्वारा प्रदत मंगल मंत्रोच्चार से हुआ। तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा ने सबका स्वागत करते हुए साध्वी श्री द्वारा 12 व्रती बनाने हेतु किए गए अथक श्रम एवं प्रेरणा हेतु कृतज्ञता ज्ञापित की। आगामी संघ यात्रा की जानकारी प्रदान की। सभा अध्यक्ष मंगल जी कोचर, महिलामंडल अध्यक्ष मंजू जी गादिया ने शुभकामनाएं प्रेषित की। कार्यक्रम में उपस्थित उपासक श्री भंवरलालजी मांडोत, श्रीमती सुमित्रा जी बरडिया, सभी 12 व्रती श्रावक श्राविकाओं का अभिनंदन जैन पट्ट एवं सम्मान प्रशस्ति पत्र द्वारा किया गया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.